मेरा राजस्थान

वर्ष-२०, अंक- ०९, मुम्बई, नवंबर २०२५ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४४ मूल्य -१००.०० रूपए प्रति

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

भारत में बरसे लक्ष्मी

सब भारतीय रहें खुशहाल

दीपावली पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं

भारत सरकार को धन्यवाद, किया बदलाव

पहले

भारत सरकार
GOVERNMENT
OF INDIA
सत्यमेव जयते

और अब

भारत सरकार
GOVERNMENT
OF BHARAT
सत्यमेव जयते

प्रस्तुतिः बिजय कुमार जैन
वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
Mob: 9322307908
राष्ट्रीय अध्यक्ष मैं भारत हूँ फाउंडेशन

Remove India Name From the Constitution India को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

http:// www.merarajasthan.co.in

भारत को 'भारत' ही बोला जाए अभियान

MOIRA®
THERMEX® TMT BARS

The Backbone of Your Structure

MOIRA means
Double strength for your Construction

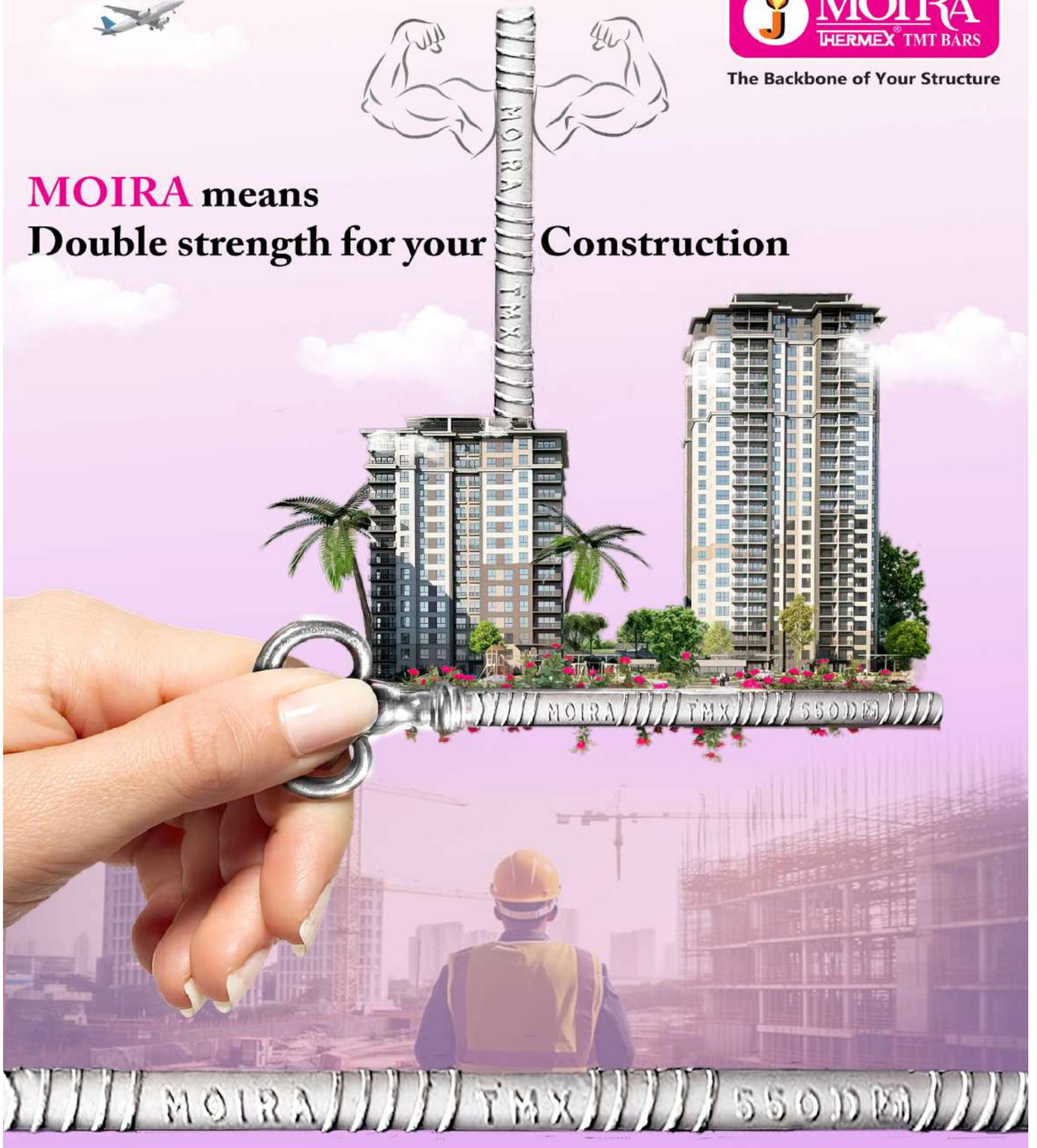

Available In : Fe 550, Fe 550D, Fe 600 & CRS

JAIDEEP METALLICS & Alloys Pvt. Ltd.

106 / 107 / 108, 1st Floor, Neha Ind. Estate, Behind CCI Ltd., Off Dattapada Road, Borivali (E), Mumbai - 400 066. Phone : +91 2242032000 Fax : +91 22 42032020
Email : ajay@moiratmt.com | marketing@moirantmt.com

BOROSIL®

Performs beautifully

A gift that feels
Thoughtful, Beautiful & Memorable

www.myborosil.com

Corporate Office : **BOROSIL LIMITED**
1101, Crescenzo, G - Block, Opp MCA Club, BKC, Bandra (E), Mumbai - 400 051, India.
CIN No.: L36100MH2010PLC292722

Customer Care No
1800 210 6520
1800 224 552

Follow us on
Borosil and You

११ धनतेरस की कथा

१२ पांच पर्वों का पर्व दीपावली

१६ दीपावली और लक्ष्मी पूजन का महत्व

२२ गोवर्धन पूजा

२४ भाई- बहन के प्यार का प्रतिक...

नवंबर २०२५ के अंक की झलकियाँ

और भी बहुत कुछ....

'मेरा राजस्थान' दिसंबर २०२५ री विशेषतावां

अगला अंक

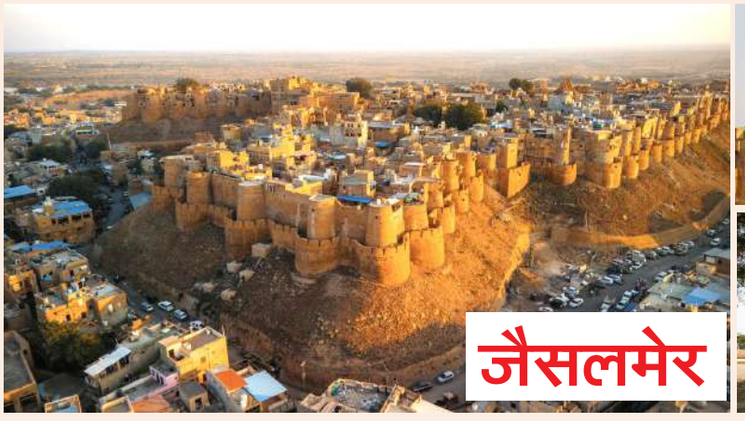

रेगिस्तान की रेत में लिखा हुआ है सुनहरा जैसलमेर शहर, पश्चिमी राजस्थान राज्य, पश्चिमोत्तर भारत में स्थित है। अनुपम वस्तुशिल्प, मधुर लोक संगीत, विपुल सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को अपने में संजोये हुए 'जैसलमेर' स्वर्ण नगरी के रूप में विख्यात है। पीले भूरे पत्थरों से निर्मित भवनों के लिए विख्यात जैसलमेर की स्थापना ११५६ ई. में राजपूतों (राजपूताना ऐतिहासिक क्षेत्र के योद्धा शासक) के सरदार रावल जैसल ने की थी। रावल जैसल के वंशजों ने यहाँ भारत के गणतंत्र में परिवर्तन होने तक बिना वंश क्रम को भंग किए हुए ७७० वर्ष सतत शासन किया।

और भी बहुत कुछ पढ़ें, अगले अंक में...

PHOENIX PALLADIUM

presents

Bring on the festivities

Shop for ₹1 lakh+ on a single day & win a gift hamper from **Armani**

Mall open till midnight

JIMMY CHOO · TOD'S · CANALI · FERRAGAMO · TUMI · BROOKS BROTHERS

EMPORIO ARMANI · BOSS · COACH · MICHAEL KORS · A|X ARMANI EXCHANGE · DIESEL

and many more.

T & C Apply.

Phoenix Palladium, Lower Parel, Mumbai

वर्ष-२०, अंक ९, नवंबर २०२५

१२ अंक वार्षिक १२००/-

सम्पादक : बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए
का आह्वान करने वाला भारत माँ का लाडला

उपसम्पादक - संतोष जैन 'विमल'
कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)
मो. 9702205252

'मेरा राजस्थान' के संरक्षक
स्व. रामनारायण घ. सराफ, मुम्बई

सम्पर्क करें...
सम्पादकीय कार्यालय
गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड
की शानदार प्रस्तुति

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

बी- २१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059. दूरध्वनि - 022- 4015 8094
भ्रमणध्वनिः 9322307908

अणुडाकः mailgaylordgroup@gmail.com
mainbharathunfoundation@gmail.com
अन्तरताना : http//: www.merarajasthan.co.in
http//:www.bijayjain.com

https://www.facebook.com/merarajasthanpatrika/
https://x.com/merarajasthan01
https://www.instagram.com/mera_rajasthan10/
https://www.youtube.com/@Merarajasthan10

कृपया विज्ञापन बिल, सदस्यता शुल्क के साथ सहयोग राशि का भुगतान नीचे दिये गए बैंकों में जमा करा सकते हैं

HDFC Bank
Andheri East Branch
RTGS / NEFT
IFSC: HDFC 0000592.
Account No.05922320003410

State Bank Of India
(01594) Marol Mumbai Branch.
IFS Code :SBIN0001594.
Account No. 030338727406.
in the name of GAYLORD PUBLICATIONS PVT.LTD.
Payment Transfer & Inform to us on: 9322307908 UPI No.

संपादकीय ....

आखिरकार भारत सरकार ने हम राजस्थानियों की बात मान ही ली

१५ वर्षों पूर्व शुरुआत हुई एक बार फिर से स्वतंत्रता (आजादी) की लड़ाई, देश की आजादी नहीं नाम की आजादी, INDIA नाम से मुक्ति, हम सभी जानते हैं कि INDIA नाम हमारे देश पर थोपा गया, हम भारतीयों को INDIAN बना दिया गया, हमारे गुरुकुलों (शिक्षालयों) का खात्मा कर CONVENT में बदल दिया गया, हमारी आवाज तक खामोश कर दी जाती रही, लगभग २२५ सालों तक हम भारतीय, ब्रिटिशर्स के गुलाम रहे। बरसों के लगातार संघर्ष के बाद हमें गुलामी से छुटकारा तो मिल गया मिला, हम और हमारा देश 'भारत' १९४७ को स्वतंत्र हो गया, पर यह स्वतंत्रता अधूरी रही क्योंकि अंग्रेजों द्वारा थोपा गया नाम INDIA हमसे चिपका रहा, हम भारतीय व INDIAN बने रहे।

मित्रों! नाम का अपना स्वाभिमान होता है। हजारों वर्षों से हमारे देश का नाम 'भारत' था और अब केवल 'भारत' ही रहना चाहिए, इसके लिए १५ वर्ष पहले एक अभियान छेड़ा गया, मेरे द्वारा संपादित पत्रिका 'मैं भारत हूँ' के प्रकाशन के साथ, कहते हैं लगातार प्रयास से सफलता मिलती है। शुरुआत तो अकेले से ही हुई थी, पर धीरे-धीरे लोग जुड़ते गए, कारवां बनता गया, हर भारतीय तक INDIA नाम का परिचय सच्चाई के साथ करवाया, क्योंकि नाम का अनुवाद हो ही नहीं सकता, INDIA का मतलब भारत नहीं हो सकता और लोगों ने सच्चाई को स्वीकार किया, 'भारत सरकार' तक बात पहुंची और 'भारत सरकार' ने हम भारतीयों की भावना को स्वीकार भी किया कि अब GOVERNMENT OF INDIA की जगह GOVERNMENT OF BHARAT लिखा जाएगा।

विश्वास दिलाते हैं धीरे-धीरे हमारे रूपयों व सिक्कों में, जहां INDIA व भारत लिखा हुआ है, वहां संवैधानिक रूप से 'भारत' लिखा जाए यह प्रयास जारी रहेगा और यह वर्ष २०२६ तक जरूर पूरा होगा, ऐसा मुझे विश्वास है साथ ही विश्व के मानचित्र में, जहां आज भी हमारे देश का नाम INDIA लिखा हुआ है वहां BHARAT लिखा जा सकेगा, बस आप सभी का साथ व सहयोग मिलता रहे।

'दीपावली' पर्व की सभी को शुभकामनाएं देते हुए यह ही कहुंगा कि 'मेरा राजस्थान' के प्रबुद्ध पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभचिंतकों व भारत माँ के लाडलों के घरों में माँ लक्ष्मी जी का आर्शीवाद बना रहे, सभी खुशहाल रहें, ऐसी विनंति के साथ...

जय राजस्थान! जय भारत!

SBI BANK
for payment

HDFC BANK
for payment

आपका अपना
- बिजय कुमार जैन
वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत कहा जाए का
आह्वान करने वाला एक भारतीय
मो.९३२२३०७९०८

भारत को भारत ही बोलें INDIA नहीं, जय भारत!

Available at all the leading retail outlets and Siyaram's Shops across the country. For trade/corporate enquiries,
contact: 022-68330500. Toll-free No.: 1800 209 4005. For franchise enquiries, contact: 09820197273.
Email: enquiries@siyaram.com | www.siyaram.com Follow us on:

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

ECOVIS®

ECOVIS RKCA ADVISORS LIMITED

(An Affiliation with Ecovis International having offices in 90 countries)

SERVICE OFFERINGS

Growth and Tax Advisory

Risk and Financial Consulting

Accounting and Legal Services

Management and Marketing

OUR PRESENCE

Mumbai | Vashi | Powai | Nagpur | Ahmedabad | Chennai | Delhi | Hyderabad | Indore | Kolkata

OUR GROUP COMPANIES

RKCA XAT Consulting Pvt. Ltd.
Far East Advisory

RKCA (LAW) Associates LLP
Legal & Compliance

BM TRADA RKCA Certifications Pvt. Ltd
Process Consulting

PCG RKCA Management & Financial Services Pvt. Ltd
Personal Consulting Group - M&A Support

Goldberries Technologies Pvt. Ltd
Tech Enabled

UICommons Academy India Private Limited
A Joint Venture with Japan

INTERNATIONAL JV/PARTNERS

Exova BM TRADA
ISO Certifications

MARCUM
USA Accounting Partners

Core Creators
Growth Consulting

ECOVIS
European Network

GoGetterz
EduTech Entrepreneurship

Those who want to join us, GET IN TOUCH

Admin Office: C-1903, Kailas Business Park, Off Hiranandani, Powai (Vikhroli West), Mumbai - 400 076
Head Office: 809, Tulsiani Chambers, Nariman Point, Mumbai 400 021 (INDIA)
Tel. +91 22 2288 4978 , Email: enquiry@rkca.net

कुमकुम भरे कदमों से

आए लक्ष्मी आपके द्वार

सुख संपत्ति मिले आपको भरपूर

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं करें स्वीकार!

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

22

भारत के इतिहास में पहली बार
विभिन्न २२ भारतीय भाषाओं में
'भारत नाम सम्मान'
गीत का निर्माण

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101

DR. VINOD TIBREWALA

CHAIRPERSON

श्री. जे. जे. टी. यूनिवर्सिटी

एवं

राजस्थानी सेवा संघ

श्रीनिवास बगड़का मार्ग जे.बी. नगर, अंधेरी पूर्व,
मुंबई, महाराष्ट्र, भारत -४०००५९

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्त्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।

शुभ दीपावली

मुकुंदगढ़ घुवालेवाला शिवालय

धनतेरस की कथा

कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन धनतेरस का पर्व बड़ी श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया जाता है। धन्वंतरि के अलावा इस दिन लक्ष्मी माँ और धन के देवता कुबेर जी की पूजा जाती है। इस दिन को मनाने के पीछे धन्वंतरि के जन्म लेने के अलावा और भी कहानी प्रचलित है।

एक समय भगवान विष्णु मृत्यलोक में विचरण करने के लिए आ रहे थे। उनको आता देख लक्ष्मी जी ने भी उनके साथ चलने का आग्रह किया, तब विष्णु जी ने लक्ष्मी से कहा यदि जो बात मैं तुम्हे कहुँगा अगर वो बात तुम मानोगी तो चलना मेरे साथ। लक्ष्मी जी ने उनकी बात स्वीकार कर ली और भगवान विष्णु के साथ भू मंडल चली आयी। कुछ देर बाद एक जगह जाकर भगवान विष्णु जी रुक गए, उन्होंने लक्ष्मी जी से कहा की जब तक मैं ना आऊं तब तक तुम यहीं पर रहना। यह कहकर भगवान विष्णु दक्षिण दिशा की और चल पड़े।

विष्णु जी के जाने बाद लक्ष्मी जी को कौतुक जागा कि आखिर दक्षिण दिशा में ऐसा क्या है जो मुझे मना किया गया है। उन्होंने सोचा की कोई रहस्य जरूर होगा। लक्ष्मी जी से रहा न गया। ज्योंही विष्णु भगवान ने राह पकड़ी त्योंही लक्ष्मी भी पीछे-पीछे चल पड़ी। कुछ ही दूर पर सरसों का खेत दिखाई दिया। यह खूब फला-फुला था। लक्ष्मी जी ने फूल तोड़ दिया। उस फूल के साथ अपना श्रृंगार किया। श्रृंगार करके आगे चली गयी। आगे जा के गन्ने का खेत दिखाई दिया। उन्होंने चार गन्ने तोड़े और खाने लगी। जब वे गन्ने चूसने लगी तो उसी समय विष्णु जी आये और उन पर क्रोधित हो कर शाप दे दिया। उन्होंने लक्ष्मी जी से कहा, मैंने तुम्हें मना किया था और तुमने मेरी बात नहीं मानी और किसान के खेत में चोरी करने का अपराध कर बैठी।

विष्णु भगवान ने कहा अब तुम इस किसान की १२ साल सेवा करोगी। यह कह के विष्णु भगवान उन्हें छोड़ के क्षीरसागर चले गए। किसान बहुत ही गरीब था। लक्ष्मी किसान की पत्नी से कहा अगर तुम स्नान करके मेरी बनाई गयी मूर्ति की पूजा करोगी और फिर रसोई घर में प्रवेश करोगी तो तुम चाहोगी वही मिलेगा। किसान की पत्नी ने वो सब कुछ किया जो जो लक्ष्मी जी ने उनसे करने के लिए कहा था। ऐसा करने से किसान का घर धन, रत्न, स्वर्ण से भर गया। लक्ष्मी ने किसान को धन-धान्य से पूर्ण कर दिया। किसान के १२ साल बहुत खुशी से बीत गए। १२ साल पुरे हो जाने पर लक्ष्मी जी जाने को तैयार हुई, इतने में भगवान विष्णु भी उनको लेने के लिए आ गए, तो किसान ने लक्ष्मी जी को भेजने से इंकार कर दिया, तब भगवान ने कहा कि इन्हें कौन जाने देता है लेकिन यह तो चंचला है, यह कहीं नहीं ठहरती। इनको बड़े-बड़े नहीं रोक सके। इनको मेरा शाप था इसलिए इन्होंने १२ साल तुम्हारी सेवा की है, लेकिन अब सेवा के १२ वर्ष पुरे हो चुके है, मेरे साथ जाने दो, लेकिन किसान नहीं माना, वह कहने लगा मैं लक्ष्मी जी को नहीं जाने दूंगा। तब लक्ष्मी जी ने कहा अगर तुम मुझे नहीं जाने देना चाहते तो जो मैं कहूँगी तुम्हें वही करना होगा, तो किसान ने उनकी बात मान ली। लक्ष्मी जी ने कहा कि कल तेरस है तुम अपने घर को अच्छे से सफाई करके घर की लीप-लिपाई करना। शाम को पूजन के बाद रात्रि को दीप जला के रखना और एक तांबे के कलश में मेरे लिए रूपये भर के रखना। मैं उस कलश में प्रवेश करुँगी जिसकी पूजा के समय तुम्हें दिखाई नहीं दूगी। इस दिन की पूजा के बाद पुरे एक वर्ष तक मैं तुम्हारे घर से नहीं जाऊंगी। अगले दिन किसान ने लक्ष्मी जी के कहे अनुसार सब कुछ किया। उसका घर धन-धान्य से पूर्ण हो गया। इसी कारण धनतेरस के दिन लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है।

धनतेरस क्यों मनाते हैं?

कार्तिक माह कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धन्वंतरि देवता का जन्म हुआ था। इनका जन्म समुद्र मंथन से हुआ था। जब इनका जन्म हुआ तो यह अमृत कलश लेकर आए थे, जिसके लिए समुद्र मंथन किया गया। इसी समुद्र मंथन से माँ लक्ष्मी जी का भी जन्म हुआ था, इसी धन्वंतरि के कारण इसका नाम धनतेरस पड़ा। धन्वंतरि देवो के वैद्य हैं, इस कारण इसे इस दिन को आयुर्वेद दिवस भी कहा जाता है। धनतेरस का मतलब होता है धन। कई लोग धनतेरस के दिन ही माँ लक्ष्मी की पूजा करते हैं। जो लोग व्यापारी वर्ग के होते हैं उनके लिए यह दिन बहुत ही खास होता है। लोग घर में सोने-चांदी के सिक्के लाते है, इनको घर लाना बहुत शुभ माना जाता है। धनतेरस दिवाली के दो दिन पहले मनाया जाता है। इस दिन का बहुत महत्व है। धन्वंतरि हाथ में कलश लेकर जन्मे थे। वह कलश अमृत का था। इस दिन घरों में नए बर्तन खरीदने का भी चलन है। चाँदी को या चांदी के बर्तनों को खरीदना शुभ माना जाता है। इस दिन इसके पीछे की मान्यता यह है कि इस दिन धन की देवी की पूजा की जाती है। यह पूजा धन के उद्देश्य के लिए की जाती है। कहते हैं धन देने से पहले मनुष्य को बुद्धिमता का विकास करना चाहिए, इसके साथ ही अपने तन, मन को भी शीतल करना चाहिए। इस दिन चंद्रमा, जो कि शीतलता का प्रतीक माना जाता है उसका बना धातु **शेष पृष्ठ १३ पर...**

पांच पर्वों का पर्व दीपावली

यह ज्योतिपर्व मंगलमय हो, उमंगित उत्साति हो तन मन
परिवार राष्ट्र सारी वसुधा, जनगण को होवे आराधन्य
ज्योतिपर्व के सुख उजाले, लाये रंग उमंगों वाले
दीपक से बाती के रिश्ते, पुण्य प्रेरणा देने वाले
सुख-समृद्धि का साम्राज्य रहे, कोई किसी का न हो मोहताज
भूखा-प्यासा ना सोये कोई, हर दिल में हो खुशियों का राज
जाति भेद का भाव हटा कर, करें दूर राष्ट्र का अंधियारा
छलका दे दिव्य प्रेम गंगा, साक्षी हो पावन जग सारा

'भारत' एक विशाल देश है, यहां की विभिन्न जातियां, समुदाय, भाषा-भाषी, विभिन्न धर्मों की मान्यता वाला देश है, इनके रीति-रिवाजों में थोड़ी-बहुत विभिन्नतायें तो हो सकती हैं लेकिन मूल रुप से हिन्दु संस्कृति, एक-रुपता इनमें समाविष्ठ है, यहां अनेकता में एकता की मिसाल है, यहां कुछ पर्व ऐसे हैं जो सभी सम्प्रदाय व धर्म के लोग एकसाथ मिलकर मनाते हैं, उनमें 'दीपावली' का पर्व मुख्य है।

'भारत' जगत गुरु था, ईश्वर की इच्छा यह पावन
जग संस्कृति उपजे इसमें, नव विश्व प्रेम का बरसे सावन
वसुधा बने कुटुम्ब यह, हो सुन्दर आदर्श हमारा
गुलदस्ता है देश हमारा, रंग-बिरंगा प्यारा-प्यारा
''असतो मा सद्गमय, तमसो मां ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृत गमय''

हम असत्य से सत्य की ओर चलें, अंधकार से प्रकाश की ओर चलें, मृत्यु से अमृत की ओर चलें, यही हमारी संस्कृति की वेद-वाणी है, हिन्दु संस्कृति प्रकाश की इच्छा रखने वाली है एवं अंधकार में विश्व को मार्ग दिखाने वाली है।

दीप जला कर ज्ञान के दूर करो अंधकार,
समता करुणा स्नेह से भरो दिल के भण्डार

अंधकार से प्रकाश का पर्व 'दिवाली' एक नहीं बल्कि पांच दिनों का सामुहिक प्रकाश पर्व है, इसे महापर्व भी कहते हैं। कार्तिक कृष्णा १३ से शुरु होकर कार्तिक शुक्ला द्वितीय तक पर्व मनाये जाते हैं, ये पांचों पर्व जीवन में धन-धान्य, स्वास्थ्य, यश, आयु और उमंग को प्रदान करने वाले हैं।

प्रथम पर्व धनतेरस- धनतेरस यह देवताओं के वैद्य धन्वन्तरी के जन्म दिवस के रुप में मनाया जाता है, इसी दिन समुद्र मंथन के समय धनवन्तरी अपने हाथों में अमृत-कलश लेकर प्रकट हुए थे। धनवन्तरी के साथ-साथ धन के देवता कुबेर व मृत्यु के देवता यमराज की भी पूजा की जाती है। ब्रहमा जी ने कहा कि इस दिन यमराज को दीप नैवेद्य समर्पित करने से अकाल मृत्यु नहीं होती, इसी दिन सोना-चांदी के आभूषण, बर्तन व नये वाहन आदि खरीदने का शुभ-मुहुर्त होता है।

लहराती है उच्च पताका, धनवन्तरी भगवान की
आयुर्वेद प्रवर्तक जग में, भारत देश महान की

द्वितीय पर्व नरक चतुर्दशी- इसको छोटी दिवाली व रुप चौदस भी कहते हैं, इसी दिन यमराज को दीप-दान किया जाता है, सायंकाल घर के बाहर, तुलसी के स्थान, पूजा घर, रसोई, मंदिर आदि पर भी दीप जलाये जाते हैं। कहते हैं कि भगवान शंकर ने कार्तिक कृष्णा चौदस स्वाति नक्षत्र मेष लग्न में स्वयं ने माता अंजना के घर अवतार लिया था जो हनुमानजी के नाम से जाने जाते **शेष पृष्ठ १४ पर...**

SANGIR PLASTICS P. LTD
Industrial Piping, Sheeting &
Rotational Molded Solutions
sangir.com
REVOLUTIONSING
THERMOPLASTICS

SANGIR
Piping, Sheets & Roto Semi Finished Products in
PE • PERT • PP • PPH • PPR •
PP-EL • PVDF • PVC • CPVC •
MDPE • LDPE • UHMWPE

Piping Systems :
PE Water & Gas
PPH / PPR Industrial
PVDF Industrial

Sheets, Blocks & Profile :
PE100/PP(H)/(C)PVC/ABS/PS Rigid
PVC/ PP Foam sheets
PE Concrete Liners – Co extruded

Roto-molded Products:
Manholes/Sewer
Floatation Systems
Chemical Tanks

SANGIR PLASTICS P Ltd ,Mandhana Enclave, Bangur Ngr, Mumbai, INDIA 400104;
T: 022 28717800 info@sangir.com ; Website: www.sangir.com

पृष्ठ ११ से... यानी चांदी ख़रीदी जाती है।

धनतेरस का महत्व

इस दिन पूजा में भी भोग लगाने के लिए नेवैद्य के रूप में श्वेत मिस्ठान्न का उपयोग किया जाता है। यह दिन धार्मिक और समाजिक दृष्टि से भी बहुत महत्व पूर्ण माना जाता है। इस बारे में शास्त्रो में भी लिखा गया है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज को दीपदान दिया जाता है वहाँ पर अकाल मृत्यु नहीं होती। यहाँ तक कि दिवाली की सजावट भी आज के दिन से ही शुरू हो जाती है। इसी दिन से लोग अपने घरों को अच्छे से सजाते हैं, रंगोली आदि बनाते हैं। शाम के समय लक्ष्मी जी का आवाहन भी आज से ही किया जाता है। इस दिन मिटटी को दूध में भिगों कर उसमें सेमर की शाखा डालकर लगातार तीन बार अपने शरीर में फेरना और फिर कुमकुम लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है। इसके उपरांत कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआँ, मन्दिर आदि स्थानों पर जा कर दीपक जलाना चाहिए। इस दिन अपने घर की सफाई जरूर रखें। रूप और सौंदर्य की प्राप्ति के लिए स्नान करने से पहले उबटन लगाएं और फिर स्नान करें। कहा जाता है कि भगवान हनुमान जी का जन्म भी कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि में हुआ था इसलिए इस दिन हनुमान जयंती भी मनाई जाती है।

दीपदान की महिमा निराली: कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी 'धनतेरस' कहलाती है, इस दिन चांदी का बर्तन खरीदना अत्यन्त शुभ माना गया है, वस्तुत: यह यमराज से संबंध रखने वाला व्रत है, इस दिन सायंकाल घर के बाहर मुख्य द्वार पर एक पात्र में अन्न रख कर उसके ऊपर यमराज के निमित्त दक्षिणाभिमुख दीपदान करनी चाहिए, गन्ध आदि से पूजन करनी चाहिए, दीपदान करते समय निम्नलिखित प्रार्थना करनी चाहिए, इस प्रकार

मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्भया सह
त्रयोदश्यां दीपदानात्सूर्यज: प्रीयतामिती

यमुना जी यमराज की बहन हैं, इसलिए धनतेरस के दिन यमुना स्नान का भी विशेष महातम्य है, यदि पूरे दिन का व्रत किया जा सके, तो अत्युतम है।

कार्तिकस्यासिते पक्षे त्रयोदश्यां निशामुखे
यमदीपं बहिर्दघादप मृत्युविनश्यति

कथा: एक बार यमराज ने अपने दूतों से कहा कि ''तुम लोग मेरी आज्ञा से मृत्युलोक के प्राणियों के प्राण हरण करते हो, क्या तुम्हें ऐसा करते समय कभी दु:ख भी हुआ, क्या कभी दया भी आई है?''

इस पर यमदूतों ने कहा, ''महाराज, हम लोगों का क्रम अत्यंत क्रूर है परंतु किसी युवा प्राणी की असामयिक मृत्यु पर उसका प्राण हरण करते समय वहाँ का करूण-क्रन्दन सुनकर हम लोगों का पाषाण हृदय भी विचलित हो जाता है, एक बार हमलोगों को एक राजकुमार के प्राण उसके विवाह के चौथे दिन ही हरण करने पड़े, उस समय वहाँ का करूण-क्रन्दन चित्कार और हाहाकार देख-सुनकर हमें अपने कृत्य पर अत्यन्त ग्लानि हुई, उस मंगलमय उत्सव के बीच हमारा यह कृत्य लोगों को अत्यन्त दु:खी कर गया। अत: हे स्वामिन! कृपा करके कोई ऐसी युक्ति बताइए जिससे ऐसी असामयिक मृत्यु न हो'' इस पर यमराज ने कहा कि ''जो धनतेरस के पर्व पर मेरे उद्देश्य से दीपदान करेगा, उसकी असामयिक मृत्यु नहीं होगी''

पृष्ठ १२ से... हैं, इसलिये इसी दिन हनुमान जयन्ती भी मनाते हैं, ये दिन नरकासुर राक्षस से भी सम्बन्ध रखता है, कहते हैं कि भगवान कृष्ण ने इसी दिन इसका वध किया था, स्त्रियां आटे के उबटन से पाटे के नीचे दीपक जला कर स्नान करती हैं, जिससे इनके रुप में निखार आता है, इसलिये इसको रुप चौदस भी कहते हैं।

तृतीय पर्व दीपावली-

लक्ष्मी करोतु कल्याणं आरोग्यं सुख सम्पदां
मम शत्रु विनाशाय दीप ज्योर्तिनमोस्तुते

नवदीप जले नव फूल खिले,
नित नई बहार मिले दीपावली के
पावन अवसर पर
आपको मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिले
शुभ दीपावली

ANAND KUMAR SITARAM KEDIA
Mob: 9825168512

श्री Shivam
CREATIVE SAREES

SHREE SHIVAM SYNTHETICS
4420-24, Raghukul Market, Ring Road,
Surat, Gujrat, Bharat- 395002

भारत को 'भारत' ही बोला जाए Remove 'INDIA' Name From The Constitution

दीपमालिका का यह मुख्य पर्व है, यह अधिकांशत: कार्तिक की अमावस्या को मनाया जाता है, कभी-कभी काल गणना, नक्षत्र के आधार पर चौदस को भी पूजा होती है, जिस दिन सूर्यास्त के बाद एक घड़ी से अधिक अमावस्या रहे, उसी दिन 'दीपावली' मनाते हैं। बंगाल में काली पूजा उत्सव मनाया जाता है, इस सम्बन्ध में कई घटनायें विद्यमान हैं, विभिन्न ग्रंथों में स्कंद पुराण, पद्म पुराण, भविष्य पुराण, ब्रह्म पुरण, रामायण, महाभारत आदि में दीपावली का वर्णन आता है, प्रथम भगवान राम का १४ वर्ष का बनवास व लंका विजय करके अयोध्या लौटने पर अवध के लोगों ने दीप जलाकर खुशियां मनाई थी, यह पर्व आसुरी शक्तियों पर विजय का प्रतीक है। वैदिक धर्म और संस्कृति को पुर्नप्रतिष्ठित करने वाले स्वामी दयानन्द सरस्वती ने इसी दिन अपना शरीर छोड़ कर निर्वाण प्राप्त किया, सामाजिक, सांस्कृतिक जड़ता को छोड़ कर धर्म की स्थापना करने वाले विराट व्यक्तित्व के धनी भगवान महावीर का निर्वाण दिवस भी इसी दिन मनाते हैं। हिन्दु-धर्म का शंखनाद करने वाले स्वामी रामतीर्थ ने भी इसी दिन जल-समाधि ली थी। सिख धर्म के ६ठे गुरु हर गोविन्द सिंह का ग्वालियर दुर्ग से रिहा होने पर भी यह पर्व मनाया जाता है। भगवान ने वामन रुप लेकर राजा बलि का गर्व भंग किया और बलि को पाताल लोक पहुंचा कर उसको वहां का राज्य दिया। बली ने वरदान मांगा कि वर्ष में एक दिन मैं प्रजा का दर्शन करूं, वह दिन भी दीपावली का था। सिख धर्म के चौथे गुरु रामदास ने इसी दिन स्वर्ण मंदिर की नींव रख कर वहां विशेष कार्यक्रम किया और बलि को पाताल लोक पहुंचा कर उसको वहां का राज्य दिया। बली ने वरदान मांगा कि वर्ष में एक दिन मैं प्रजा का दर्शन करूं, वह दिन भी दीपावली का था। देव-दानवों ने भी इस दिन समुद्र मंथन किया। गुरु तेगबहादुर के परम मित्र भाई मणीसिं को १७३८ में दीपावली के दिन अमृतसर में बंदी बनाकर दिल्ली में मुगल शासकों ने मौत की सजा सुनाई। चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ व भगवान कृष्ण नरकासुर राक्षस का वध करके १६१०० राजकुमारियों को आजाद कराया, इस प्रकार इस दीपावली से कई घटनायें जुड़ी हुई हैं लेकिन सभी महापुरुषों, अलग-अलग पंथों व धर्म के प्रवर्तक रहे होंगे लेकिन सबका मूल उद्देश्य एक ही था कि ''भारतीय संस्कृति, हिन्दु धर्म को सनातन बनाये रखना तथा इस प्रवाह की गंगा को तरह अविरल रखना''

व्यवसायी लोग इसी दिन गणेश पूजन, सस्वती पूजन व लक्ष्मी पूजन साथ-साथ करते हैं तथा बही-खाते, लेखनी-दवात का भी पूजन करते हैं, इसके पश्चात सभी मंदिरों में जाकर भगवान के दर्शन करते हैं व शेष पृष्ठ १५ पर...

पृष्ठ १४ से... एक-दुसरे से मिलकर शुभ-कामनाएं देते हैं, इस दिन धूत क्रिड़ा भी कुछ लोग करते हैं जो सामाजिक अभिशाप है, इससे सभी को बचना चाहिये।

सत्य का दीपक जले, हम सभी आगे बढें
बाहर तो बहुत दीपक जलाये, अब तो अन्तर दीप जलायें

चतुर्थ दिन गोवर्धन पूजा व अन्नकुट महोत्सव- यह पर्व भगवान कृष्ण व गोवर्धन पर्वत को अर्पित है, कहते हैं कि इन्द्र की पूजा बन्द करने पर इन्द्र ने रुष्ट होकर गोकुल पर भारी वर्षा की तभी गोकुलवासियों की रक्षा हेतु भगवान कृष्ण ने अपनी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को धारण कर इन्द्र का अभिमान चूर किया, तभी से भगवान कृष्ण का गिरधारी व गोवर्धनधारी नाम पड़ा, इसी दिन प्रात:काल घर की महिलायें गाय-बैल के गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर पुष्प, दूध-दही मिष्ठान व दीपक से पूजा करती हैं। राजस्थान व अन्य प्रान्तों में सायंकाल को मंदिरों में अन्नकुट का भोग भी लगाते हैं, इसी दिन भगवान वामन के साथ-साथ असुरराज बली की भी पूजा की जाती है।

पंचम दिन भैयादूज या यम द्वितीया- इसी दिन यमुना जी ने यमराज को अपना भाई बनाया, कहते हैं कि इस दिन भाई-बहन मिलकर यमुनाजी में स्नान करके यमराज का पूजन करते हैं उन्हें यमराज का भय नहीं रहता। यमराज उसी दिन अपनी बहन यमना के यहां भोजन करने जाते हैं। बहन कामना करती है कि भाई अपनी बहन की रक्षा का भार अपने उपर ले तथापि भाई अपनी बहन की रक्षा का भार अपने उपर ले लेता है, इस ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय व धार्मिक त्यौहार पर सभी एक-दूसरे को शुभकामनायें व बधाई देते हैं क्योंकि यह पर्व समाज व राष्ट्र की एकता की भावना को सुदृढ करता है, इस पावन पुनीत पर्व पर हम अन्त:करण को प्रकाश से भर कर भारत माता को विश्व गुरु के पद पर पुन: प्रतिष्ठित करने की दिशा में कदम बढावें तभी यह पर्व मनाना सार्थक होगा। मानव का अन्त:करण प्रकाशोत्सव ही वास्तविक उत्सव है, उपनिषदों में ऋषियों ने कहा है कि इस दीपोत्सव पर सामुहिक प्रार्थना करके संकल्प करें कि सांस्कृतिक, सामाजिक व धार्मिक अभ्युदय में सहभागी बनें व स्नेह, भाईचारे का दीपक जला कर हृदय को प्रकाशवान करें तभी सच्चे अर्थों में 'दीपावली' मनाना सार्थक होगा।

राष्ट्रभक्ति के हृदय में हो, खड़ा यदि देश हमारा
संकटों पर मात कर, राष्ट्र विजय हो हमारा
दीपों का त्यौहार दिवाली, दीप देश को अर्पण है
रामराज्य का सुन्दर सपना, भारत भूमि को अर्पण है
मंगलमय हो सारी दुनियां, सदाचार मिल कर फैलायें
दीपमालिका की शुभ वेला में, आओ शत-शत दीप जलायें

प्रकाश जो जीवन को सद्भावना की ओर अग्रसर करता है, सद्भावनायें आनन्द एवं प्रयास के क्षणों के प्रति उत्प्रेरित करती हैं, इन सबसे ज्योर्तिमय प्रकाशपुंज प्रदीप्त होता है। आईये वर्ष २०२३ के प्रकाशोत्सव पर हम अंधकार व कङ्गिनाईयों से उबर कर असीम आनन्द की अनुभूति करें तथा सभी भारतवासी प्रतिज्ञा करें कि हम सब एकजुट होकर राष्ट्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, आतंकवाद, भाषावाद, आरक्षण वाद, भ्रूण हत्या जैसे अभिशापों को समाप्त कर मानव मात्र की सेवा का व्रत लेकर नेत्रदान, रक्तदान, अंगदान व देहदान का संकल्प लें और भारतीय भाषाओं का सम्मान बढाने में आगे आयें और 'भारत को केवल 'भारत' ही बोलें।'

वर्तमान के प्रकाशोत्सव पर 'मेरा राजस्थान' के प्रबुद्ध पाठकों को हार्दिक शुभकामनायें, बधाईयाँ....

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्त्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।

शुभ दीपावली

Ramesh Saraogi
Anil Saraogi

Saraogi

Saraogi Udyog Private Limited

Importer, Merchants &
Handling Agents for Coal and Coke

910 Merline Infinite DN-51,Salt Lake City,
Sector-V, Kolkata, West Bengal, Bharat- 700091
Ph. +91-33-2213-8779/80/81
Fax: +91-33-22435334, +91-33-22138782
E-mail: info@saraogiudyog.com

सभी को दीयों का पर्व दीपावली पर हार्दिक शुभकामनाएं

Rishi Chemical Works Pvt. Ltd.

Since 1972

India's Leading Bulk Food Chemicals Manufacturer

• Calcium Propionate
• Ferric Pyrophosphate(soluble/insoluble)
• Magnesium Sulphate
• Potassium Bicarbonate
• Potassium Nitrate
• Potassium Nitrite
• Potassium Sorbate
• Potassium Carbonate
• Sodium Bicarbonate
• Sodium Benzoate
• Sodium Nitrate
• Sodium Nitrite
• Sodium Propionate
• Sodium Carbonate

Phosphates
• Disodium Diphosphate
• Disodium Orthophosphate
• Dipotassium Orthophosphate
• Monopotassium Orthophosphate
• Monosodium Orthophosphate
• Tripotassium Orthophosphate
• Trisodium Diphosphate
• Tetrasodium Diphosphate
• Trisodium Orthophosphate

Citrates
• Calcium Citrate
• Di Sodium Monohydrogen Citrate
• Ferric Ammonium Citrate
• Potassium Dihydrogen Citrate
• Sodium Dihydrogen Citrate
• Tripotassium Citrate
• Trisodium Citrate

Acetate
• Calcium Acetate
• Potassium Acetate
• Sodium Acetate

• We build partnership, Beginning with a strong foundation and grow on trust •

Custom manufacturing available

OFFICE :
KOH-I-NOOR
105, Park Street
Kolkata - 700016
+91 33-22290068-70
www.rishichemicals.com
sales@rishichemicals.com
info@rishichemicals.com
FACTORY:
F5-10, Industrial Area,
Haridwar- 249 401 (UK).

ISO 9001:2015 ISO GMP fssai ISO

दीपावली और लक्ष्मी पूजन का महत्व

भारत एक धर्मनिर्पेक्ष राष्ट्र है, यहां पर सभी धर्म के मानने वालों को रहने व अपने-अपने धर्म के अनुसार विभिन्न त्यौहारों को मनाने का संवैधानिक अधिकार है। सबके अपने अलग-अलग प्रिय पर्व हैं जैसे मुस्लिम धर्म के मानने वाले ईद, क्रिश्चिन-क्रिसमस, सिक्ख-गुरुनानक जयंती को अपना विशेष त्यौहार मानते हैं उसी प्रकार हिंदू धर्म में होली, दिवाली, दशहरा आदि पर्वों का विशेष महत्व है। भारतीय सभ्यता व संस्कृति के इतिहास में अनादिकाल से भारतवर्ष में दिवाली पर्व खूब धूमधाम से मनाया जाता है, इसके पीछे एक पौराणिक कथा चली आ रही है- रामायण हिन्दुओं का पवित्र महाग्रंथ है जिसे महाकवि महर्षि बाल्मिकि ने, इसी तरह रामचरितमानस को गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है जैसा कि हमारे पूर्वज कहते हैं कि भगवान रामचंद्रजी १४ वर्ष वनवास पूर्ण कर रावण के साथ युद्ध कर, उसे मार कर, इसी दिन अयोध्या वापस आए थे। अयोध्या वासियों ने रामचंद्रजी के आने की खुशी में नगर को खूब अच्छी तरह सजाया और दीपक जलाकर खुशी का इजहार किया तभी से दिवाली मनाई जा रही है। दिवाली कार्तिक महीने के अमावस्या के दिन मनाई जाती है।

दीपावली के दिन सभी भारतीय अपने पुराने झगड़ों को भुलाकर आपस में एक दूसरे को शुभकामना देते हैं। हिंदू रिवाज के अनुसार दीपावली खुशी और आनंद का पर्व है। हिंदुओं में दीपावली के दूसरे दिन से नव वर्ष की शुरुआत मानी जाती है, इस दिन से व्यापारी लोग अपना पुराना हिसाब खत्म कर, फिर से नया बही खाता बनाते हैं। व्यापारी लोग लक्ष्मी जी का पूजन कर उन्हें प्रसन्न करते हैं तथा लक्ष्मी जी की सदा हमारे ऊपर कृपा बनी रहे, ऐसी इच्छा व्यक्त करते हैं।

लक्ष्मी जी की उत्पत्ति कैसे हुई, इसके बारे में भी एक किंवदन्ती है कि देवताओं व राक्षसों द्वारा समुद्र मंथन के समय, समुद्र में जो १४ रत्न निकले थे उनमें से एक लक्ष्मी जी भी थी। विष्णुजी के साथ शादी होने पर, लक्ष्मी जी भगवान विष्णु की पत्नी कहलाई। लक्ष्मी हमेशा प्रसन्न रहे इसकी हर व्यक्ति कामना करता है। लक्ष्मी जी की अनेकों रूप व नाम से पूजा की जाती है, जैसे दीपलक्ष्मी, महालक्ष्मी, कांचनकाया चंद्र, अश्वपूर्वा, श्रीदेवी, सूर्या, हिरण्यमयी आदि लक्ष्मी जी के नाम हैं, लक्ष्मी जी का प्रिय फूल कमल है।

शेष पृष्ठ १७ पर...

पृष्ठ १६ से... भारतीय संस्कृति में मनाया जाने वाले पर्व दीपावली, भारत ही नहीं दूसरे देशों में भी मनाया जाता हैं लेकिन इसके हर देश में अलग-अलग नाम हैं-

चीन में दीपावलीउत्सव को तईमहुआ, जापान में तोरोनगासी, थाईलैन्ड में कथोग और स्वीडन में लूसियाडे के नाम से मनाया जाता है।

दीपावली में दीपक हमें अज्ञान रूपी अंधकार, ज्ञान रुपी प्रकाश की ओर व असत्य से सत्य की ओर जाने का संदेश देता है। पावन पर्व दीपावली मनाने का महत्व आज लोग भूलते जा रहे हैं फिर भी जो प्रथा अनादिकाल से चली आ रही है वह आज भी कायम है, इन त्यौहारों की तरफ से लोगों का ध्यान क्यों हट रहा है इसके अनेक कारण हैं जिनमें कमर-तोड़ महंगाई की मूख्य भूमिका है क्योंकि नव वर्ष की खुशी में हर व्यक्ति की अपनी अनेक इच्छाएं होती हैं जिनको पूरा करना इस महंगाई के युग में असंभव नहीं तो कङ्गिन जरुर है, इसके अलावा आज के इस आधुनिक युग में लोगों की सोच में भी काफी परिवर्तन होता जा रहा है।

विशेषकर आज की युवा पीढ़ी इस तरफ से भटकती जा रही है, पावन पर्व को मनाने के लिए कई-कई व्यसनों को अपनाने लगे हैं, इन सबके बावजूद आज भी हमारे देश में दीपावली मनाने वालों की कमी नहीं है। महीनों पहले से लोग अपने घरों की सफाई व दिवाली की अन्य तैयारी में जुट जाते हैं। दीपावली के त्यौहार पर क्या-क्या विशिष्ट व्यंजन बनाए जाएं इसकी भी तैयारी लोग करने लग जाते हैं।

बड़े लोग जहां पर इन सब की तैयारी करते हैं वहीं बच्चे पटाखे छुड़ाने की खुशी में झूमने लगते हैं, इस प्रकार यह खुशियों का त्यौहार दीपावली, सब के लिए कुछ न कुछ लेकर आता है। अपने प्रिय पाङ्कों-शुभचिंतकों-विज्ञापनदाताओं को दीपावली की शुभकामनाओं के साथ, भगवान सदैव उन्हें सुखी रखे ऐसी प्रार्थना 'मेरा राजस्थान' परिवार करता है।

बलि के राज्य में निम्न पाँच कार्य वर्जित थे

(१) जीवहिंसा (२) मदिरापान (३) परस्त्रीगमन (४) चोरी (५) विश्वासघात उस समय इन आचरणों को 'नरक का द्वार' माना जाता था, उस समय राजधर्म के कुछ ऐसे नियम भी बने हुए थे जिनका **शेष पृष्ठ १८ पर...**

सभी भारत-वासियों को दीयों का पर्व दीपावली पर हार्दिक शुभकामनाए एवं बधाई

Omprakash Gaggar Mob: 9820182019
Santosh Gaggar Mob: 9435093820
Babulal Gaggar Mob: 09435052427

A LEADING SHOWROOM WITH ALL KINDS OF

suitings, shirtings, pants, jeans, dhoti, panjabi - kurta, shirts, sarees,kurti-sets,
children wear, baba suits, frocks, inner-wear, rain suits as well as blankets,bedsheet sets,
and luggage items such - V.I.P, Aristocrat, Safari

JORHAT FANCY CLOTH STORE

A.T. Road, Jorhat, Assam, Bharat-785001
दूरध्वनि : 0376-2320121 e-mail: babulalgaggar@gmail.com

पृष्ठ १७ से... परिपालन करना राजा का कर्तव्य माना जाता था, वे नियम इस प्रकार थे-

आधीरात में राजा को नगर में भ्रमण करना चाहिये। लक्ष्मीपूजन के लिए किस प्रकार नगर में सजावट हुई है, इसकी भी उसे जाँच करनी चाहिए। राजा के साथ उसके अधिकारी भी होने चाहिए। गाजे-बाजे के साथ सवारी निकलनी चाहिये, लोगों के घरों में जलती मशालें होनी चाहिये, इस तरह करने से राज्य में लक्ष्मी की वृद्धि होती है।

लक्ष्मीपूजन :

कार्तिक वद अमावस के दिन प्रदोश पूजा करें, यदि कोई बाधा हो तो स्थिर लग्न में पूजा करें, उस दिन चित्रा-स्वाति योग अच्छा माना गया है।

लक्ष्मीपूजन करने से पहले मंडप बनावें और उसमें गणेश, लक्ष्मी और कुबेर की स्थापना कर उनकी पूजा करें। प्रात:काल उबटन अथवा तेल लगाकर मालिश करने के पश्चात् स्नान कर तर्पण, श्राद्ध, ब्राह्मण भोजन, सुवासिनी-भोजन तथा दीनहीन लोगों को भोजन कराने के बाद लक्ष्मी जी की पूजा करें।

सर्वप्रथम मंडप के सामने आसन पर बैठकर आचमन, प्राणायाम करें और यह संकल्प लें

''अद्य दीपोत्सवंगणपतिपूजनं, लक्ष्मीपूजनं, उल्कादर्शनं च करिष्ये''

तत्पश्चात् मंडप से गणपति की मूर्ति निकालकर और उसे ताम्रपात्र में रखकर उसकी पूजा करनी चाहिए। पूजा करते समय निम्नलिखित मंत्रों का उच्चारण करें-

गं गणपतये नम:, आवाहनं समर्पयामि

गं गणपतये नम: (ध्यानं)

गं गणपतये नम: (आसनं) समर्पयार्मि

इसी मंत्र से पाद्य, अर्ध्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, कुंकुम, चन्दन, अक्षत, पुष्प, अबीर, गुलाल, धूप, दीप, नैवेद्य (मिङ्गाई) चने की फलिया, चपड़ा, खांड की कतली, फल (सीताफल) बेर, काचरा, शकरकन्द, सेव, ताम्बूल आदि को भेंट

चढ़ाकर प्रार्थना करनी चाहिए, इसके बाद लक्ष्मी-पूजन करें और उसके पहले लक्ष्मीजी का आवाहन।

'हिरण्यवर्णा, लक्ष्मीं आवाहमामि, तां आवहे'

मंत्र पढ़कर उन्हें आसन समर्पित करें।

उसी क्रम से ये मंत्र बोले जाने चाहिए-

'अश्वपूर्वा (पाद्यं समर्पयामिं) भकांसो स्मितां' मंत्र से (अर्घ्यम्) 'चन्द्राप्रभासां' मंत्र से आचमीनयं 'आदित्यवर्णे' मंत्र से स्नान क्षुत्पिपासा अथवा 'गन्धता द्वारा' (गन्ध) 'अक्षताश्च से अक्षत', 'मनस:काम' से पुष्प, कर्दमेन से (धूपं) 'आपस्र जन्तु' से (दीपं), 'आर्द्रापुष्करिणी' से नैवेद्यम, 'आर्द्राय:करिणी से (फलम् ताम्बूलं) 'हिरण्यगर्भ:' (दक्षिणां) तथा ''य: शुचि: प्रयतो'' से पुष्पाजंलि देकर 'श्रिये जात: श्रियमंत्र' से आरती उतारें, फिर पुरुषसूक्त के १५ मंत्र पढ़कर पुष्पांजलि देवें, स्वर्ण या चांदी के सिक्कों से पंचामृत का स्नान कराकर उनकी भी पूजा करें, फिर दीपावली का पूजन कर उल्कादर्शन करें।

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाना चाहिए

With Best Compliments from
Srinivasji Anilkumar Lakhotiya

OUR SERVICES

Event Management
Marriage Decorations
Supplying Material
Flower Decoration
German Hanger Installation
Social and Political Gather Arrangements
Exhibition Stall & Other Related Material

SWASTIK
Swastik Group
Swastik Decor & Events
Swastik Supplying Company

14-7-362, Begum Bazar, Hyderabad - 500 012
Ph: 040-24614196, Mob.+91 9393033270
Email: swastiksupplying@gmail.com

... And much More

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

With Best Compliments

"Modison Limited"
Mumbai

Remove 'INDIA' Name From The Constitution

कुमकुम भरे कदमों से
आए लक्ष्मी आपके द्वार
सुख संपत्ति मिले आपको भरपूर
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं करें स्वीकार।

Ashok Kumar Modi
Mob: 9334611701, 7004432726

SHIKHAR INVESTMENTS.COM
"A Complete Financial Hub"

DEALS IN

- Life INS of all Co.
- All Mutual Funds
- Motor Insurance
- Factory Insurance
- Home Loan's
- Health Insurance
- Fixed Deposite of all Co.

Rampath, Govindnagar, Uliyan, Near ICICI Bank,
Kadma, Jamshedpur-831005 Tel.: 0657-2306085
E-mail: ashokmodi1968@rediffmail.com
www.shikharinvestments.com

खुशबू व खूबसूरती से जगमग होवे घर-आंगन

'दीपावली' के मौके को यादगार बना सकते हैं आप घर को नया लुक देकर, आप किसी भी रंग की मोटी अगरबत्ती, सीप, सूखे रंगीन फूल, कलरफुल साटन की रिबन, फेविकॉल, कलरफुल स्टोन और मोती ले लीजिये, सबसे पहले मोमबत्ती को लिटाकर फेविकॉल की सहायता से उस पर सीप और नीचे बड़े आकार का स्टोन लगा दें, उसके बाद उसके आसपास सूखे फूल, रिबन व मोती करीने से चिपका दें, कुछ देर में सूखने के लिए छोड़ दें, अब इस तरह की मोमबत्तियाँ तैयार कर घर के किसी खास हिस्सों में सजा दें, इस शानदार सजावटी मोमबत्ती को जलाते ही इसकी खूबसूरती, महक और प्रकाश से सारा घर जगमगा उठ्ठेगा, आप चाहें तो आप किसी प्रियतम को यह शानदार उपहार भेंट भी कर सकते हैं।

१. अरोमाथैरेपी ऑयल में थोड़ा पानी मिलाकर उसे पतला कर के घर के चादर, कारपेट, पर्दे, सोफे आदि पर इसका छिड़काव कर दें।

२. जलाने वाली मोमबत्तियों पर भी इस ऑयल की कुछ बूँदे डाल दें, इन्हें जलाने पर खुशबू सारे घर को महका देगी।

३. लेवेंडर ऑयल को स्प्रे बोतल में भर कर तकिये और चादरों पर हल्का छिड़काव कर सकते हैं।

४. पिपरमेंट ऑयल में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, इसकी कुछ बूँदें सफाई को नया आयाम दे सकती हैं।

अपनी पसंद के अरौमा थैरेपी ऑयल का चुनाव करें और त्योहार पर अपने घर की सफाई के साथ कोने-कोने को महकाएँ।

है रोशन शमा तुम्हारे नूर से, सिर्फ कैंडल नहीं है ये,
मेरी ख्वाहिशों की शाम को रोशन करने का सामान है ये,
जलती हुई शमा पिघलने के दर्द को जज्ब करने का अरमान है ये...

जहां को जगमगा देते हैं बहुरंगी दिये

सामान्य दीयों के अलावा आजकल बाज़ार में सिरेमिक अर्थात् प्लास्टर ऑफ पेरिस के दीपक भी मिलते हैं,पारम्परिक आकार के अतिरिक्त ये अब डिजाइनर स्वरुप में भी मिलने लगे हैं।

मट्टी के हों या प्लास्टर ऑफ पेरिस के, दियों का होना दीपावली का प्रमुख आकर्षण होता है, चाहे लाख बिजली के रंगीन लट्टुओं की झालरें आ जाएँ, लेकिन वो कभी भी दियों की जगह नहीं ले सकते, आज भी हमारे यहाँ मोमबत्ती और बिजली की रोशनी के साथ-साथ घरों में दिये ही सजाये जाते हैं और पूजा भी दियों से ही पूरी होती है, ये एक तरह के शुभ सूचक होते हैं।

सामान्य दियों के अलावा आजकल बाज़ार में सिरेमिक अर्थात् प्लास्टर ऑफ पेरिस के दिपक भी मिलते हैं, पारम्परिक आकार के अतिरिक्त ये अब डिजाइनर स्वरुप में भी मिलने लगे हैं, आप चाहें तो उन्हें घर पर ही और सुंदर बना सकती हैं। आइए, जानें कैसे- बाज़ार में मिलने वाले ऑयल पेंट के ट्यूब खरीद लीजिए और इससे मनचाही डिजाइन से दीपक की बार्डर तथा अन्य आकृतियाँ बनाइए, विभिन्न रंगों के साथ सिल्वर, कॉपर, गोल्डन तथा पर्ल शेड के कोन भी बाजार में सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध हैं।

पूजा में रखे जाने वाले दीपक को अलग लुक देने के लिये उस पर सुंदर लेस या गोटा, जरी लगाकर उसकी बार्डर को रिच बनाइए, साथ में कुछ मोती या स्टोन भी सजाइए।

रंगीन आर्टीफिशियल फूल-पत्तियों को दिपक के बाहरी हिस्से पर चिपकाइए और इसे ड्राइंग रूम में सजाइए।

रंगोली के रंगों का भी उपयोग आप दिपक को सजाने में कर सकती हैं, थोड़ा सा एधेसिव लगाकर रंग ऊपर से बुरकिए और देखिए मल्टी कलर दीपक तैयार है, तो इस प्रकार यहाँ दिये हुए तरीके अपनाकर इस 'दीपावली' पर्व पर आप अपने घरों में दिपक कुछ नवीन तरीकों से तैयार करें, इस तरह घर की सुंदरता तो बढ़ेगी ही, साथ ही मेहमानों से तारीफ भी बटोरेंगे।

दीपावली के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं

MURLI H. AHUJA
Mob.: 9820062062/ 9820120093

SHYAM Decorators

MANDAP DECORATORS & GOVT. CONTRACTOR, FURNITURE ON HIRE

For Every Occasion Marriage Party & Any Other Party

शादी ब्याह इत्यादि सभी शुभ प्रसंगों के लिए शानदार

ओपन ग्राउण्ड

● PAREL RAILWAY GROUND (Parel)

Kirti Caterers - 976895454
Hot Plate Caterers - 9326135602
Mangal deep Caterers - 9833875338
Sumitra (Kishan) Caterers - 9820085407
Heena Caterers - 9819812655

38-39, Vallabh Sangeet Vidyalaya, Sion West, Mumbai, Bharat- 400 022
(0): 24073318/24097107 (FAX): 24082930 (R): 24071868/2409 9225

दीपावली के पावन पर्व पर सभी भारतवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

ॲड. मोतीसिंह मोहता
विशेष निमंत्रित सदस्य महाराष्ट्र प्रदेश भा.ज.पा.
सदस्य व मा.अध्यक्ष बार कौन्सिल ऑफ महाराष्ट्र ॲण्ड गोवा

ॲड. हेमंत मोहता
अध्यक्ष : बार असोसिएशन, अकोला.
अध्यक्ष: राजस्थानी युवा प्रकोष्ठ अकोला
उपाध्यक्ष: भाजपा विधी आघाडी महाराष्ट्र
मा. उपाध्यक्ष: विदर्भ प्रा माहेश्वरी युवा संघटन
मो. नं. 9422808600

- अध्यक्ष, दि बेरार जनरल एज्युकेशन सोसायटी, अकोला
- अध्यक्ष, महाराष्ट्र गौ सेवा संघ (विदर्भ प्रदेश)
- सदस्य, सिनेट संत गाडगेबाबा अमरावती विद्यापीठ, अमरावती
- अध्यक्ष, सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडळ, अकोला
- अध्यक्ष, अकोला जिल्हा टेबल टेनिस असोसिएशन, अकोला
- अध्यक्ष, मालीपुरा एकता गणेशोत्सव मंडळ, अकोला (लालबागचा राजा)
- अध्यक्ष, भाटे क्लब, अकोला
- अध्यक्ष, मातृभक्त तपे हनुमान मंदिर, अकोला
- अध्यक्ष, तेलगू व्यायाम शाळा, अकोला
- अध्यक्ष, स्व. गोदावरीदेवी मोहता चॅरिटेबल ट्रस्ट, उदय नगर, जि. बुलढाणा
- संस्थापक अध्यक्ष, राजस्थानी सेवा संघ, अकोला

कार्यालय : जय प्लाझा, संतोषी माता मंदीरासमोर, अकोला - 444001
निवास : श्री शिवाजी पार्कचे बाजूला, अकोला. मोबा. 9422938600

दीपावली के पावन पर्व पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Gaurav Maroo
9431170384

Channel Partners

SIEMENS
Ingenuity for life

Hindusthan Electric House

55, Baralal Street, Upper Bazar, Ranchi,
Jharkhand, Bharat- 829201
Email: hehranchi@gmail.com

गोवर्धन पूजा

दीपावली के अगले दिन यानि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। लोग इस पर्व को अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस त्यौहार का पौराणिक महत्व है। इस पर्व में प्रकृति एवं मानव का सीधा संबंध स्थापित होता है। इस पर्व में गोधन यानी गौ माता की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उतनी ही पवित्र है जितना माँ गंगा का निर्मल जल। आमतौर पर यह पर्व अक्सर दीपावली के अगले दिन ही पड़ता है किन्तु यदा कदा दीपावली और गोवर्धन पूजा के पर्वो के बीच एक दिन का अंतर आ जाता है।

गोवर्धन पूजा विधिः इस पर्व में हिंदू धर्म के मानने वाले घर के आंगन में गाय के गोबर से गोवर्धन जी की मूर्ति बनाकर उनका पूजन करते हैं, इसके बाद ब्रज के साक्षात देवता माने जाने वाले भगवान गिरिराज को प्रसन्न करने के लिए उन्हें अन्नकूट का भोग लगाते हैं। गाय- बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर फूल माला, धूप, चन्दन आदि से उनका पूजन किया जाता है। गायों को मिठ्ठाई का भोग लगाकर उनकी आरती उतारी जाती है तथा प्रदक्षिणा की जाती है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को भगवान के लिए भोग व यथासामर्थ्य अन्न से बने कच्चे-पक्के भोग, फल-फूल, अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ, जिन्हें छप्पन भोग कहते हैं का भोग लगाया जाता है, फिर सभी सामग्री अपने परिवार व मित्रों को वितरण कर प्रसाद ग्रहण किया जाता है।

गोवर्धन पूजा व्रत कथाः यह घटना द्वापर युग की है, ब्रज में इंद्र की पूजा की जा रही थी, वहां भगवान कृष्ण पहुंचे और उनसे पूछा कि यहाँ किसकी पूजा की जा रही है। सभी गोकुल वासियों ने कहा देवराज इंद्र की, तब भगवान श्रीकृष्ण ने गोकुल वासियों से कहा कि इंद्र से हमें कोई लाभ नहीं होता। वर्षा करना उनका दायित्व है और वे सिर्फ अपने दायित्व का निर्वाह करते हैं, जबकि गोवर्धन पर्वत हमारे गौ-धन का संवर्धन एवं संरक्षण करते हैं, जिससे पर्यावरण शुद्ध होता है, इसलिए इंद्र की नहीं गोवर्धन की पूजा की जानी चाहिए। सभी लोग श्रीकृष्ण की बात मानकर गोवर्धन पूजा करने लगे। जिससे इंद्र क्रोधित हो उठे, उन्होंने मेघों को आदेश दिया कि जाओ गोकुल का विनाश कर दो। भारी वर्षा से सभी भयभीत हो **शेष पृष्ठ २३ पर...**

सभी भारत वासीयों को दीपावली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें
Mewar University
MEWAR UNIVERSITY
(A University u/s 2(f) of the UGC Act. 1956: Established by Govt. of Rajasthan Act No.4 of 2009 with the right to confer degree u/s 22(1) of the UGC Act)

National Highway No, 79, Gangrar, Dist. Chittorgarh, Rajasthan, Bharat-312901
दूरध्वनि : 01471-220881 / 2 / 3, 2911148 / 58
अणुडाक : www.mewaruniversity.org
मो. 09414109048, 09891029293, 09414109106
भारत को 'भारत' ही बोला जाए Remove 'INDIA' Name From The Constitution

नवदीप जले नव फूल खिले, नित नई बहार मिले
दीपावली के पावन अवसर पर
आपको मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिले
शुभ दीपावली
Shree Kishan Mundhra
भ्रमणध्वनि :09830092339
Kohinoor
(3) TEEN
BHAIYON KI DUKAN
Raincoat, Rainwear & all types of Blankets, Winter Wear
13, Basant Lal Murarka Road, (Pageya Patty), Ground Floor, Kolkata, West Bengal, Bharat-700007
Ph: 033-22715118

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्। चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।

शुभ दीपावली

BAJRANGLAL TAPARIA
Mob: 9892891111

Supreme
People who know plastics best

1161, 1162, 6th Floor, Solitaire Corporate Park, 167, Guru Hargovindji Marg,
Andheri-Ghatkopar Link Road, Chakala, Andheri East,
Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400093
Ph: +91-22-40430000/68690000 | Email: info@supreme.co.in

पृष्ठ २१ से... गए। तब श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठिका ऊँगली पर उठाकर सभी गोकुल वासियों को इंद्र के कोप से बचाया। जब इंद्र को ज्ञात हुआ कि श्रीकृष्ण भगवान श्रीहरि विष्णु के अवतार हैं तो इन्द्रदेव अपनी मुर्खता पर बहुत लज्जित हुए तथा भगवान श्रीकृष्ण से क्षमा याचना की। तबसे आज तक गोवर्धन पूजा बड़े श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ की जाती है।

गोवर्धन पूजा का महत्त्व: कहा जाता है कि भगवान कृष्ण का इंद्र के अहंकार को तोड़ने के पीछे उद्देश्य ब्रज वासियों को गौ धन एवं पर्यावरण के महत्त्व को बतलाना था, ताकि वे उनकी रक्षा करें। आज भी हमारे जीवन में गौ माता का विशेष महत्त्व है। आज भी गौ द्वारा प्राप्त दूध हमारे जीवन में बेहद अहम स्थान रखता है।

यूं तो आज गोवर्धन पर्वत ब्रज में एक छोटे पहाड़ी के रूप में हैं, किन्तु इन्हें पर्वतों का राजा कहा जाता है। ऐसी संज्ञा गोवर्धन को इसलिए प्राप्त है क्योंकि यह भगवान कृष्ण के समय का एकमात्र स्थाई व स्थिर अवशेष है। उस काल की यमुना नदी जहाँ समय-समय पर अपनी धारा बदलती रही, वहीं गोवर्धन अपने मूल स्थान पर ही अविचलित रुप में विद्यमान रहे। गोवर्धन को भगवान कृष्ण का स्वरुप भी माना जाता है और इसी रुप में इनकी पूजा की जाती है। गर्ग संहिता में गोवर्धन के महत्त्व को दर्शाते हुए कहा गया है- गोवर्धन पर्वतों के राजा और हरि के प्रिय हैं, इसके समान पृथ्वी और स्वर्ग में दूसरा कोई तीर्थ नहीं।

गोवर्धन पूजा (अन्नकूट उत्सव) क्यों मनाया जाता है: इस दिन बलि पूजा, मार्गपाली आदि उत्सव भी मनाए जाते हैं। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराके धूप-चंदन तथा फूल माला पहनाकर उनका पूजन किया जाता है, इस दिन गौमाता को मिठाई खिलाकर उसकी आरती उतारते हैं तथा प्रदक्षिणा भी की जाती है। इस दिन गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाकर उसके समीप विराजमान कृष्ण के सम्मुख गाय तथा ग्वाल-बालों की रोली, चावल, फूल, जल, मौली, दही तथा तेल का दीपक जलाकर पूजा और परिक्रमा की जाती है।

जब कृष्ण ने ब्रजवासियों को मूसलधार वर्षा से बचाने के लिए ७ दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उंगली पर उठाकर इन्द्र का मान-मर्दन किया तथा उनके सुदर्शन चक्र के प्रभाव से ब्रजवासियों पर जल की एक बूंद भी नहीं पड़ी, सभी गोप-गोपिकाएं उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे, तब ब्रह्माजी ने इन्द्र को बताया कि पृथ्वी पर श्रीकृष्ण ने जन्म ले लिया है, उनसे बैर लेना उचित नहीं है, तब श्रीकृष्ण अवतार की बात जानकर इन्द्रदेव अपने इस कार्य पर बहुत लज्जित हुए और भगवान श्रीकृष्ण से क्षमा-याचना की। भगवान श्रीकृष्ण ने ७वें दिन गोवर्धन पर्वत को नीचे रखा और हर वर्ष गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी, तभी से यह उत्सव 'अन्नकूट' के नाम से मनाया जाने लगा। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान के निमित्त भोग और नैवेद्य बनाया जाता है, जिन्हें 'छप्पन भोग' कहते हैं। अन्नकूट पर्व मनाने से मनुष्य को लंबी आयु तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है साथ ही दारिद्र का नाश होकर मनुष्य जीवन पर्यंत सुखी और समृद्ध रहता है। ऐसा माना जाता है कि यदि इस दिन कोई मनुष्य दुखी रहता है तो वह वर्ष भर दुखी ही रहेगा, इसलिए हर मनुष्य को इस दिन प्रसन्न रहकर भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय अन्नकूट उत्सव भक्तिपूर्वक तथा आनंदपूर्वक मनाना चाहिए।

भाई- बहन के प्यार का प्रतिक - भाई दूज

भाई दूज (भातृद्वितीया) कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाए जाने वाला हिन्दू धर्म का पर्व है, जिसे यम द्वितीया भी कहते हैं, भाईदूज में हर बहन रोली एवं अक्षत से अपने भाई का तिलक कर उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीष देती है।

भाई अपनी बहन को कुछ उपहार या दक्षिणा देता है। भाईदूज दिवाली के दो दिन बाद आने वाला ऐसा पर्व है, जो भाई के प्रति बहन के स्नेह को अभिव्यक्त करता है एवं बहनें अपने भाई की खुशहाली के लिए मंगल कामना करती हैं, इस त्योहार के पीछे एक किंवदंती यह है कि यम देवता ने अपनी बहन यमी (यमुना) को इसी दिन दर्शन दिया था, जो बहुत समय से उससे मिलने के लिए व्याकुल थी। अपने घर में भाई यम के आगमन पर यमुना ने प्रफुल्लित मन से उसकी आवभगत की थी। यम ने प्रसन्न होकर उसे वरदान दिया कि इस दिन यदि भाई-बहन दोनों एक साथ यमुना नदी में स्नान करेंगे तो उनकी मुक्ति हो जाएगी, इसी कारण इस दिन यमुना नदी में भाई-बहन के एक साथ स्नान करने का बड़ा महत्व है, इसके अलावा यमी ने अपने भाई से यह भी वचन लिया कि जिस प्रकार आज के दिन उसका भाई यम उसके घर आया है, हर भाई अपनी बहन के घर जाए, तभी से भाईदूज मनाने की प्रथा चली आ रही है, जिनकी बहनें दूर रहती हैं, वे भाई अपनी बहनों से मिलने भाईदूज पर अवश्य जाते हैं और उनसे टीका कराकर उपहार आदि देते हैं। बहनें सिढियों पर चावल के घोल

से चौक बनाती हैं, इस चौक पर भाई को बैठा कर बहनें उनकी पूजा करती हैं।

विधि

इस पूजा में भाई की हथेली पर बहनें चावल का घोल लगाती हैं, उसके ऊपर सिन्दूर लगाकर कद्दू के फूल, पान, सुपारी, मुद्रा आदि हाथों पर रखकर धीरे-धीरे पानी हाथों पर छोड़ते हुए कुछ मंत्र बोलती हैं, जैसे

''गंगा पूजे यमुना को यमी पूजे यमराज को
सुभद्रा पूजे कृष्ण को, गंगा यमुना नीर बहे, मेरे भाई की आयु बढ़े''

इसी प्रकार कहीं-कहीं इस मंत्र के साथ हथेली की पूजा की जाती है

''सांप काटे, बाघ काटे, बिच्छू काटे, जो काटे सो आज काटे'' इस तरह के शब्द इसलिए कहे जाते हैं क्योंकि ऐसी मान्यता है कि आज के दिन अगर भयंकर पशु काट भी ले तो यमराज के दूत भाई के प्राण नहीं ले जाएंगे। कहीं-कहीं इस दिन बहनें भाई के सिर पर तिलक लगाकर उनकी आरती उतारती हैं और फिर हथेली में कलावा बांधती हैं। भाई का मुंह मीठा करने के लिए उन्हें माखन मिस्री खिलाती हैं। संध्या के समय बहनें यमराज के नाम से चौमुखी दीया जलाकर घर के बाहर रखती हैं, इस समय ऊपर आसमान में चील उड़ता दिखाई दे तो बहुत ही शुभ माना जाता है, इस संदर्भ में मान्यता यह है कि बहनें भाई की आयु के लिए जो दुआ मांग रही हैं उसे यमराज ने कुबूल कर लिया है या चील जाकर यमराज को बहनों का संदेश सुनाएगा।

मान्यता

भारत में जितने भी पर्व त्योहार होते हैं, वे कहीं न कहीं लोक मान्यताओं एवं कथाओं से जुड़े होते हैं, इस त्योहार की भी एक पौराणिक कथा है, **कथा के अनुसार:**

यमी यमराज की बहन है, जिनसे यमराज काफी प्रेम व स्नेह रखते हैं। कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को एक बार जब यमराज यमी के पास पहुँचे तो यमी ने अपने भाई यमराज की खूब सेवा सत्कार की। बहन के सत्कार से यमराज काफी प्रसन्न हुए और उनसे कहा कि बोलो बहन, क्या वरदान चाहिए?

भाई के ऐसा कहने पर यमी बोली कि जो प्राणी यमुना नदी के जल में स्नान करे, वह यमपुरी न जाए। यमी की मांग को सुनकर यमराज चिंतित हो गये। यमी भाई की मनोदशा को समझकर यमराज से बोली अगर आप इस वरदान को देने में सक्षम नहीं हैं तो यह वरदान दीजिए कि आज के दिन जो भाई बहन के घर भोजन करे और मथुरा के विश्राम घाट पर यमुना के जल **शेष पृष्ठ २६ पर...**

खुशियों का पर्व है दिवाली,
मस्ती की पुकार है दिवाली,
लक्ष्मी पूजन का दिन है दिवाली,
अपनों का प्यार है दिवाली,
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

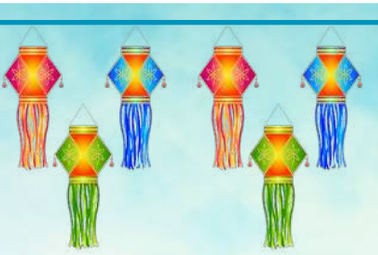

R. Ashok Kumar Mehta

Jain Housing and Constructions Ltd.

No. 98/99 Habibullah Road T. Nagar, Chennai, Tamil Nadu, Bharat - 600017
email : akmehta46@yahoo.com

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

सभी भारत - वासियों को दीयों का पर्व दीपावली पर
हार्दिक शुभकामनाएं

SUPER TEX INDUSTRIES
MFRS. & EXPORTERS : RUBBER COTS & APRONS

YOGESH DYESTUFF PRODUCTS (P) LTD.
ACRYLIC / CATIONIC / FLUORESCENT DYES

143, Udyog Bhavan, Sonawala Road,
Goregaon -(East), Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400 063,
Tel.: +91 22 46061015 / 16
E-mail : sales@supertexind.com / sales@yogeshdyes.com
Web.: www.supertexind.com

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constituion

नवदीप जले नव फूल खिले, नित नई बहार मिले
दीपावली के पावन अवसर पर
आपको मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिले

शुभ दीपावली

Vijay Dutta Barwaria
Director

SPIDERMAN XPRESS (P) LTD.

Carrying Cargo Carefully by Air, Rail & Road

134, Old Hanuman Lane, Ground Floor, Kalbadevi,
Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400002
Mob. 09324213214 Ph.: 022-22405363/ 22446544
E-mail: spidermanmumbai@gmail.com

R.O.: 31, Burtolla Street, Gr. Floor, Kolkata, West Bengal,
Bharat - 700007 Mob. : 9330388086, 9330288086

पृष्ठ २४ से... में स्नान करे, उस व्यक्ति को यमलोक नहीं जाना पड़े, इस पौराणिक कथा के अनुसार आज भी परम्परागत तौर पर भाई बहन के घर जाकर उनके हाथों से बनाया भोजन करते हैं ताकि उनकी आयु बढ़े और यमलोक नहीं जाना पड़े। भाई भी अपने प्रेम व स्नेह को प्रकट करते हुए बहन को आशीर्वाद देते हैं और उन्हें वस्त्र, आभूषण एवं अन्य उपहार देकर प्रसन्न करते हैं।

चित्रगुप्त जयंती

इसके अलावा कायस्थ समाज में इसी दिन अपने आराध्य देव चित्रगुप्त की पूजा की जाती है। कायस्थ लोग स्वर्ग में धर्मराज का लेखा-जोखा रखने वाले चित्रगुप्त का पूजन सामूहिक रूप से तस्वीरों अथवा मूर्तियों के माध्यम से करते हैं, वे इस दिन कारोबारी बही-खातों की पूजा भी करते हैं, उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में इसी दिन 'गोधन' नामक पर्व मनाया जाता है, जो भाईदूज की तरह होता है।

भैयादूज की कथा

एक थी बहन, उसके सात भाई थे, सबसे छोटा भाई, बहन से बहुत स्नेह करता था। भैयादूज के दिन जब तक बहन से टीका न लगा ले, खाना नहीं खाता था। एक दिन उसकी पत्नी बोली कि यदि तुम्हारी बहन की शादी कहीं दूर हो गई तो तुम क्या करोगे?

वह बोला कि मैं बहन की शादी दूर करूँगा ही नहीं। उसने माता-पिता से कहकर बहन की शादी निकट के गाँव में करा दी। भाग्य की बात, बहनोई बड़े खराब स्वभाव का निकला, वह अपनी ससुराल वालों को देखना भी न चाहे, उसने अपनी दुल्हन से साफ-साफ कह दिया कि मेरे घर में तुम्हारे मायके वाले नहीं आ सकते, मुझे अपना घर बिगाड़ना नहीं है। अब बेचारी बहन ने रो-धोकर संतोष किया और मायके यह संदेश भेज दिया कि कोई यहाँ न आए, अब आया भाईदूज का त्योहार, भाई का जी नहीं माना। वह नहा-धोकर टीका कराने बहन की ससुराल पहुँचा,

उसके बहनोई ने देखते ही उसे पकड़कर सात तालों के भीतर बंद कर दिया और स्वयं काम पर चला गया।

बहन का छोटा भाई वेश बदलना जानता था, वह कुत्ते का छोटा पिल्ला बनकर नाली के रास्ते-रास्ते उसके पास पहुँच गया। बहन रो-रोकर हल्दी पीस रही थी और सोच रही थी कि हल्दी तो पीस रही हूँ पर भइया को टीका कैसे कर पाऊँगी? इतने में कुत्ते का पिल्ला कूँ-कूँ करता हुआ उसके पास पहुँच गया।

बहन दु:खी तो थी ही, उसे क्रोध आ गया, उसने हल्दी सने हाथ से पिल्ले के सिर में मार दिया, पिल्ले ने मार खाते ही सोने का सिक्का अपने मुँह से उगल दिया और नाली के रास्ते फिर वापस चला गया, सोने का सिक्का देखकर बहन सोच में पड़ गई। बहनोई लौटकर आया तो ताला खोलकर भीतर गया। वहाँ क्या देखता है कि भाई के माथे पर पाँच टीका लगा हुआ है।

उसे निकालकर बाहर लाया और दालान में बैठाकर भीतर अपनी पत्नी के पास पहुँचकर उससे पूछने लगा 'तुमने अपने भाई को पाँच टीका कैसे लगाया?'

वह बोली, 'मैंने तो अपने भाई की सूरत ही नहीं देखी, एक टीका की कौन कहे, पाँच कैसे लगाती?

हाँ, एक आश्चर्य की बात अवश्य हुई है कि नाली के रास्ते एक कुत्ते का पिल्ला आया था, मैं हल्दी पीस रही थी, गुस्से में आकर मैंने हल्दी के हाथ से उसे मार दिया, तो वह सोने का सिक्का उगल कर फिर नाली के रास्ते वापस लौट गया।'

सोने का सिक्का देखकर और सारी बात सुनकर बहनोई को अपनी भूल का भान हुआ, उसने माफी माँगते हुए कहा, 'मुझे बहुत दु:ख है कि मैं भाई-बहन के सच्चे प्रेम के बीच रुकावट बना, सच्चा प्यार कभी नहीं टूटता।' वह अपने साले को भीतर ले गया, जैसे उस भाई-बहन के दिन फिरे, वैसे सबके फिरें।

भैया दूज की दूसरी कथा

एक राजा अपने साले के साथ चौपड़ खेला करता था, साला जीत जाता था। राजा ने सोचा कि भाई दूज पर यह बहन से टीका कराने आता है, इसलिए जीत जाता है, अत: राजा ने भाई दूज आने पर साले को आने से रोक दिया, साथ ही कड़ा पहरा लगा दिया कि वह न आ सके, जब भैया दूज पर भाई बहन के पास टीका कराने नहीं पहुँचा तो बहन बहुत दु:खी हुई, तब भाई यमराज की कृपा से कुत्ते का रूप धारण कर राजा के कड़े पहरे के बावजूद बहन के यहां पहुँचा। बहन हाथ में टीका लेकर बैठी थी। कुत्ते को देखकर उसने प्रेम से अपना टीके से सना हाथ उसके माथे पर फेरा। कुत्ता वापस चला गया। लौटकर वह राजा से बोला- मैं भाई दूज का टीका करा आया, आओ अब खेलें। राजा बहुत चकित हुआ, तब साले ने पूरी बात सुनाई। राजा टीके के महत्व को मान गया और वह भी अपनी बहन से टीका कराने चला गया।

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।
शुभ दीपावली

Rambilas Sarda
Mob. 9822570287

Pankaj Sarda
Mob. 09822566177

SHREE METALS (MUJBI) PVT. LTD.

Manufacturer of 99.97% Pure Lead, Lead Oxide,
Lead Alloys, Sillenium Lead Etc.
Secondary Zinc Ingots 99% +, SHG zinc
Ingots of Hindustan Zinc Limited

Office : Station Road, Bhandara, Maharashtra, Bharat-441904
Ph.: 07184-252040, 252037, 252067
E-mail: shreemetalsmujbipvtltd@gmail.com
Website : www.kotharigroup.co

Factory : At-Mujbi, Post-Bela, Tah. & Dist. Bhandara,
Maharashtra, Bharat- 441906
Ph.: (F) 07184-250987, 254268, 252727

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

श्री ब्रजमंडल द्वारा ४२ वें श्री कृष्ण रासलीला महोत्सव का आयोजन

मुंबई के गिरगांव चौपाटी सागर तट पर श्री ब्रजमंडल द्वारा आयोजित ४२वें श्री कृष्ण रासलीला महोत्सव के समापन पर ३४वाँ अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

श्री ब्रजमंडल द्वारा आयोजित ४२वें श्री कृष्ण रासलीला महोत्सव के समापन पर ३४वाँ अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन मुंबई के गिरगांव चौपाटी पर आयोजित किया गया, कवि सम्मेलन आयोजित करना यह एक भारतीय सांस्कृतिक परंपरा है, जिसमे कवि विभिन्न रसों जैसे श्रृंगार, हास्य, वीर, करुण रसों द्वारा समाज की छोटी से छोटी एवं बड़ी से बड़ी घटना का विवरण देते हैं। श्री बृजमण्डल पिछले ३४ वर्षो से इसी परंपरा का निर्वाह करने और आज के युवाओं में इस संस्कृति और परंपरा का भाव जागृत कर युवाओं को कवि सम्मेलन से जोड़ने का कार्य करने हेतु पुरे भारत वर्ष से अपनी कविताओं का पाठ करने, विख्यात कवियों को आमंत्रित कर नई पीढ़ी व उपस्थित श्रोताओं को साहित्य की गंगा में गोते लगवाता आ रहा है, इस वर्ष वरिष्ठ कवि सर्वश्री सुरेश मिश्र, मुंबई (मंच संचालन), तेज नारायण शर्मा (मुरैना), राम किशोर तिवारी (बाराबंकी), मुन्ना बैटरी, (मंदसौर), हाशिम फिरोजाबादी, (फिरोजाबाद), श्रीमती माधुरी किरन (बालाघाट), ने श्रोताओं का मन मोह लिया। कवि सम्मेलन समारोह के उदघाटक महेश डी. अग्रवाल,अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल थे, सरस्वती पूजन अमरीशचन्द्र अग्रवाल ने व दीप प्रज्वलन श्री राजीव श्यामसुन्दर अग्रवाल ने किया। स्वागताध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल की उपस्थिति में सभी अतिथियों का स्वागत संस्था के ट्रस्टी, पदाधिकारी, कार्यसमिति तथा आयोजन समिति सदस्यों ने शाल, श्रीफल, उपरना व पुष्पगुच्छ से किया गया। विशिष्ट अतिथिओं में राज के. पुरोहित, अतुल शाह, स्वामी डॉ. देवकीनंदन शर्मा व आकाश पुरोहित उपस्थित थे, आयोजन में अतिथि विशेष राजेश झुनझुनवाला, नारायणदास अग्रवाल, विशाल अग्रवाल थे। विशेष अतिथियों में के. के. सिंघला, डॉ. अलोक अग्रवाल, श्यामसुंदर गर्ग, हरिओम अग्रवाल, ब्रजमोहल अग्रवाल (अजंता पार्टी हॉल), अशोक जैन (श्री खाटूश्याम भक्त), सूरजभान अग्रवाल (चेम्बूर), सुधीर अग्रवाल, चैनाराम परमार, दिनेश गोकुलचंद अग्रवाल, पवन एच. अग्रवाल, विश्वनाथ भरतिया, संजय आर. मित्तल, विजय लोहिया, घनश्याम एम. अग्रवाल (ब्रिज डेरी) ने उपस्थित रहकर आयोजन को गरिमामय बनाया। कवि सम्मेलन का सफल संचालन कार्यकारिणी सदस्य पवन आर. अग्रवाल, ट्रस्टी/संयोजक बृजकिशोर अग्रवाल ने किया तथा संस्थाध्यक्ष/ट्रस्टी सुरेशचंद्र अग्रवाल के साथ कृष्णरास लीला महोत्सव संयोजक/कोषाध्यक्ष अनिल आर.अग्रवाल, ट्रस्टी कानबिहारी अग्रवाल, अनिल पी. अग्रवाल, मानद मंत्री प्रदीप आर. लाडीवाल, रविशंकर अग्रवाल व राजेश मित्तल एवं संयुक्त मंत्री गौरव शर्मा, विवेक अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, नरेंद्र अग्रवाल, गोविन्द अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, राकेश अग्रवाल आदि ने कार्यक्रम की बागडोर संभाली। महिला समिति की अध्यक्षा आशा सुनील अग्रवाल, मंत्री रुपाली योगेश गुप्ता, उपाध्यक्षा अनीता अनिल अग्रवाल, रेनू ओमप्रकाश अग्रवाल व अन्य महिला समिति सदस्यायें उपस्थित थीं। जय भारत!

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्त्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।
शुभ दीपावली
Purushottam Daga
भ्रमणध्वनि - 09822201040
Siddharth Daga
भ्रमणध्वनि - 8446600957
MANIKJI METACHEM PVT. LTD
An ISO 9001-2015 Certified Company
• Manufacturer of COVER FLUXES, DEGASSER & GRAIN REFINER FOR Aluminimum Melters.
• Manufacturer & Exporter of Ferrous Foundry Fluxes for Steel Industries
Shreeram Nagar, Sirso, Murtizapur,
Dist- Akola, Maharashtra, Bharat - 444107
अणुडाक : pmdaga@manikjimetachem.co.in

with Best Compliments:
Remi Group
VINOD JALAN
Mumbai

चालो जोधपुर, चालो राजस्थान, चालो म्हारा देश

माहेश्वरी समाज का महाकुम्भ जोधपुर में दिनांक ९ से ११ जनवरी २०२६ को आयोजित होने जा रहा है जिसमें देश विदेश के करीब पच्चास हजार से अधिक समाज बंधु एकत्रित होंगे तथा समाज उत्थान, व्यावसायिक जानकारी, मेल मिलाप एवं श्रृंखला बद्ध संस्था के अंतर्गत उपयोगी जानकारियां आदान-प्रदान करेंगे। इस महाकुम्भ में आनेवाले समाज बंधु जो बाहर से जोधपुर के अलावा देश विदेश से पहुंचेंगे, वो शायद अपनी मातृभूमि एवं पर्यटन स्थलों, मंदिरों में ईश्वर एवं अपनी कुलदेवी का आशीर्वाद लेने भी पहुंचेंगे। मेरा सभी समाज बंधुओं से आग्रह रहेगा की ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस महाकुम्भ में शामिल होकर मातृभूमि का आशीर्वाद लेवें एवं आपको यह भी बताना चाहूँगा की जोधपुर शहर मेजबानी, खान पान एवं आवभगत में प्रथम श्रेणी में कहलाता है।

इस लेख का उद्देश्य आपको आज के राजस्थान से अवगत कराना है, जिसे देखकर, महसूस करके एवं नई परियोजनायें देखकर आप आकर्षित होंगे क्योंकि राजस्थान शीर्ष राज्य के रूप में उभरा है और इसने महाराष्ट्र तथा गुजरात जैसे अधिक सम्पन्न राज्यों को पीछे छोड़ दिया है, आइये समझें कि यह अभी कैसे हुआ और अपनी मातृभूमि में क्या अवसर निवेश के उपलब्ध हैं और समाज के व्यापारी बंधु इसका कैसे लाभ ले सकते हैं?

कारोबारी सुगमता

राजस्थान विभिन्न देशों के साथ एवं निवेशकों के लिए मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत राज्य ने व्यवसायों को सहायता प्रदान करने के अलावा समझोता ज्ञापनों पर भी करार किया है। राज्य का उद्देश्य डोर टू डोर सेवा प्रदान करना है जिसके तहत सारी फाइलें उद्यमियों द्वारा नहीं बल्कि खुद राजस्थान सरकार द्वारा आगे बढ़ाई जाएगी, राज्य सरकार अच्छा प्रदर्शन कर रही है तथा वर्तमान सरकार के शेष साढे तीन साल में राजस्थान को १५ लाख करोड़ रुपये की अर्थववस्था से दुगुना करने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य की अर्थव्यवस्था

राज्य की अर्थव्यवस्था खेती, खनन और पर्यटन पर आधरित है और यह पिछले ४ वर्षों में औसतन ८ प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। राजस्थान में ५६ से ज्यादा खनिज पाए जाते हैं और जस्ता जैसे कुछ खनिजों में राज्य सबसे बड़ा उत्पादक है। राजस्थान में पर्याप्त जमीन है तथा औद्योगिक गलियारे और एक्स्प्रेस वे नेटवर्क अच्छे हैं।

राजस्थान राज्य देश के प्रमुख सीमेंट और कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और अब ऊर्जा जैसे अन्य क्षेत्रों में भी निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। सौर एवं पवन ऊर्जा क्षेत्र ने मिलकर अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक निवेश प्रतिबधताओ को आकर्षित किया है, एक समय धीमी प्रगति करने वाला राज्य अब तरक्की के दौर पर है और इसकी वजह पिछले साल पेश की गई कई नितिया है, ये नितिया विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेश आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन देती है, इसके अलावा खनन नियति, सूक्ष्म लघु एवं मझले उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए भी कई नितिया बनायी गई हैं। एक सर्वे के अनुसार राजस्थान ने पहले तिमाही में (सन २०२५-२६) ४१९ नई परियोजनाओं के साथ लगभग २.६९ लाख करोड़ रूपये का कुल निवेश हासिल कर ताजा निवेश तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है जो की महाराष्ट्र (२.६६ लाख करोड़ रूपये) एवं गुजरात (२.१० लाख करोड़ रूपये) से ज्यादा है, यह शीर्ष स्थान राज्य की नई नितियाँ एवं लगातार वृद्धि का नतीजा है।

निवेशकों के लिए शांति, सदभाव एवं सहज माहौल

राजस्थान में निवेशकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण है प्रदेश की शान्ति, सदभाव और रिश्तों का वह माहौल, जो यहा निवेशकों को मिलता है। निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाएँ तो हर राज्य में उपलब्ध है लेकिन बड़ी बात यह है की लोग राजस्थान में उस मूल्य व्यवस्था के लिए निवेश करने आते हैं, जो यह प्रदेश उन्हें प्रदान करता है। राजस्थान कदम दर कदम आगें बढ़ रहा है और इसकी सबसे बड़ी ताकतों में से एक इसके प्रकृतिक संसाधन है, अभी फिलहाल राज्य में ५००० स्टार्टअप है, जिसे अगले तीन साल में बढ़कर १ लाख तक पहुंचाने की पहल है, इससे प्रदेश के युवकों को रोजगार भी मिलेगा। आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के लिए भी राज्य अब श्रेष्ट प्रतिभाओं को आकर्षित कर रहा है।

सम्भावनाओं की खान राजस्थान

राजस्थान राज्य सरकार उद्योग स्थापित करने एवं कारोबार संचालन को सुगम बनाने के लिए भरसक प्रयत्न कर रहा है। राज्य ने तेजगति से अधिक प्रगति की है और निवेश आकर्षित करने में देश के शीर्ष राज्यों में शुमार हो गया है। राजस्थान में संसाधनों की कोई कमी नहीं है और अपनी खूबियों के कारण युवाओ के लिए कौशल केंद्र बन सकता है। राइजिंग राजस्थान समिट में देश दुनिया को राजस्थान ने यह दिखा दिया है कि राज्य में पर्यटन सहित लगभग एक दर्जन क्षेत्रों में निवेश के अवसर मौजूद हैं। राज्य में कुछ चुनौतियां जरूर हैं लेकिन राज्य सरकार ने उस पर काबू करना शुरू कर दिया है। राज्य को भारत सरकार का पूरा समर्थन होने से कारोबार करने की राह आसान बनाने के उपाय सफल रहे हैं।

देश की आर्थिक तरक्की में राजस्थान की भूमिका

देश के पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य में राजस्थान की भूमिका अहम रही है। राज्य में व्यवसाय के लिए सहज माहौल एवं व्यवसाय पर लागत कम करने का प्रयास जारी है, अब भूमि का सीधा आंबटन राज्य सरकार कर रही है। राज्य सरकार ने नई नीतियों में लॉजोस्टिक निति, परिधान विनिर्माणनीति, संकुल विकास निति, एक जिला एक उत्पाद निति, डेटा सेंटर एवं आर्टिफिशल इंटिलिजेंस निति लाकर उद्योगों के लिए खुशनुमा माहौल बनाया है। भारत सरकार के स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को पूरा करने में राजस्थान राज्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और राज्य अब इसके लिए और भी बड़ी भूमिका निभाएगा। राज्य अब भारत में होने वाले २०३६ के ओलिंपिक के लिए युवाओं को तैयार कर रहा है, क्योंकी खेल का मैदान भी एक महान शिक्षक है।

राजस्थान का सौर क्षेत्र

राजस्थान राज्य सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए पसंदीदा स्थान बन गया है अब इसे सौर उर्जा राजधानी के रूप में जाना जाता है, अभी राजस्थान ३२ गीगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादक करता है इसे बढ़ाकर १२५ गीगावॉट का राज्य का लक्ष्य है। भारत का २०३० तक कुल सौर ऊर्जा उत्पादक लक्ष्य ५०० गीगावॉट है, जिसमें राजस्थान राज्य २५% प्रतिशत हिस्सा लेने की कोशिश कर रहा है एवं इससे राज्य में लगभग ५ लाख करोड रुपए के निवेश की संभावना है। कंपनियों की और से टेरिफ कोई समस्या नहीं है जो कि सौर क्षेत्र में एक बड़ा मुद्दा है क्योंकि टेरिफ निर्धारण पारदर्शी और उद्योग के अनुसार होना जरूरी है। ध्यान देने वाली बात है कि घरेलू सौर क्षेत्र के विकास में एक बाधा **शेष पृष्ठ ३० पर...**

सभी भारत-वासियों को दीयों का पर्व दीपावली पर हार्दिक शुभकामनाए

Delhi Rajasthan Transport Co. Ltd.

DRTC

R.O. : 1206, The Ambience Court, Opp APMC RTO Office, Sector 19 D, Vashi, Navi Mumbai, Maharashtra, Bharat-400705
Phone.: 022- 41291800 - 41291810 (10 Line) E-mail: mumbai@drtcindia.com
H.O.: DRTC House, Behind Olympic Complex, Jodhpur-342 001.
Tel: 2633673, 2633674 E-Mail: jodhpur@drtcindia.com

: MAIN BRANCHES :

Jodhpur	: 2633673	Secunderabad	: 32982119	Ludhiana	: 4646184
Jaipur	: 3919326	Hyderabad	: 24523820	Amritsar	: 3257294
Ajmer	: 2622842	Vijaywada	: 2561220	Ahmedabad	: 25467622
Sriganganagar	: 3205220	Rajamundry	: 2469802	Surat	: 2355036
Alwar	: 2335408	Guntur	: 2218244	Ankleshwar	: 221165
Udaipur	: 2485119	Bangalore	: 22223219	Vapi	: 2401874
Bhiwadi	: 220986	Chennai	: 25287119	Baroda	: 2480970
Kota	: 2391378	Coimbatore	: 2346743	Rohtak	: 231382-83
Pati	: 227303	Tirupur	: 2208766	Panipat	: 2670768
Bikaner	: 2520752	Erode	: 2224250	Gurgaon	: 2212260
Balotra	: 220472	Noida	: 5320274	Karnal	: 3208400

Service in all Hariyana, A.P., Rajasthan, Gujarat, Punjab, Noida, Telagana
MUMBAI ALL STATION DELIVERY & BOOKING & DELIVERY RETURN.

H.D. RATHI
CHAIRMAN

S.L. BHOOTRA
MANAGING DIRECTOR

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।
शुभ दीपावली

L.N.Kothari 9364100194
Dayaram Kothari 9789250502
Dinesh Kothari 9600777432

KALPATARU YARN PVT. LTD.

SUMAN cotsyn

SRI PRIYANKA TRADERS

Mfrs. of All Exports Fabrics & Yarn Dealer
"Kothari Niwas", 306 A, Agraharam Street,
Erode, Tamilnadu - 638001. Ph: 0424-2212584

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

आशीर्वाद मिले बड़ों से, सहयोग मिले अपनों से, खुशियां मिले जग से
दौलत मिले ईश्वर से, यही प्रार्थना करते हैं हम दिल से शुभ दिपावली!

ओमप्रकाश कुंजी लाल भैय्या

Govt. Contractor & Building Material Supply

भ्रमणध्वनि : ९८२२२००६३१ दूरध्वनि : ०७२१-२६६००४६

श्रीनाथ दाल मिल

A-35, Near Aanand Marbles MIDC, Amravati, Maharashtra, Bharat - 444607

पियुष जी भैय्या
भ्रमणध्वनि : ८९५६६६२३२७

अखिलेश जी भैय्या
भ्रमणध्वनि : ९८२३२३१२७६

चूरू नागरिक परिषद द्वारा आयोजित दीपावली प्रीति सम्मेलन

कोलकाता: लक्ष्मी या धन कमाना आसान हो सकता है, लेकिन ज्ञान के बिना उसे बनाए रखना मुश्किल है, यह बात जुपिटर वैगन्स लिमिटेड के चेयरमैन मुरारी लाल लोहिया ने रोटरी सदन में 'चूरू नागरिक परिषद' द्वारा आयोजित दीपावली प्रीति सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कही। सदस्यों को संबोधित करते हुए लेखिका रुचिका गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें समाज में स्थान दिलाने के लिए सभी को आगे आना चाहिए। 'चूरू नागरिक परिषद' के अध्यक्ष राम प्रसाद सराफ ने गणमान्य व्यक्तियों, गायकों और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट नारायण जैन ने बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों के आने की सराहना की। विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. के. शर्मा (कोलकाता के पूर्व शेरिफ), राजेंद्र बछावत, बसंत पारख और प्रकाश पारख थे।

प्रसिद्ध सिंगर सुश्री कोयल त्रिपाठी (मुंबई) और कौशिक ठाकुर ने बॉलीवुड गीतों और गजलों का एक रोचक संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करके शमा जमाया, जिसने सभी उपस्थित लोगों को रोमांचित कर दिया। स्वाति बनर्जी ने भी नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बीएल. सोती, नवरतन गोयनका, टी.सी. मनोत, जगत सिंह बैद, मंजू अग्रवाल का सहयोग रहा। सचिव दीपक जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कुलदीप मनोत और विनीता मनोत ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। कार्यक्रम के बाद रात्रिभोज का आयोजन किया गया।

पृष्ठ २८ से... मुख्यतः उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली योजनाएं हैं, राजस्थान में १.१० करोड़ बिजली कनेक्शन है इसमें से लगभग ८० लाख कनेक्शन पर बिल शुन्य आता है, यह भार राज्य के राजस्व पर पड़ता है।

निष्कर्ष

राजस्थान आज परम्परा और आधुनिकता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। विशाल प्राकृतिक संसाधन, मजबूत अवसंरचना, निवेशक हितेषी नितियाँ, कुशल मानव संसाधन और तेजी से विकसित होता औद्योगिक तंत्र राजस्थान को निवेश के लिए एक आदर्श गन्तव्य बनाते हैं। पर्यटन नवीकरणीय उर्जा, खनिज, कृषि प्रसंकरण, आई टी और स्टार्टअप इकोसिस्टम जैसे अनेक क्षेत्रों में यहाँ असीम सम्भावनाएं मौजूद हैं। 'मेक इन इंडिया' और 'इजआफ डुईंग बिजनेस' में अग्रणी रहते हुए राजस्थान निवेशकों को सुरक्षित, लाभकारी और दीर्घकालिक अवसर प्रदान करता है, इसलिए राजस्थान में निवेश एक उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम है। समाज बंधु जिनकी राजस्थान मातृभूमि रही है या उनके पूर्वज वहां से निकल कर देश-विदेश में अन्यत्र बस गये हैं, उनको जानकर खुशी होगी कि राजस्थान परम्परा और प्रगति का संगम है जिसमें निवेशकों के लिए अपार अवसर है। सुरक्षित निवेश, दीर्घकालिक लाभ एवं असीम सम्भावनाएं ही राजस्थान की पहचान है। कहावत है कि आज निवेश कीजिए राजस्थान में और कल पाइए सुनहरा भविष्य।

माहेश्वरी महासभा ने आपको यह सुनहरा अवसर दिया है कि आइए हम सभी जोधपुर चलकर वहा के समाज बंधुओं की मेजबानी का आनंद लेवें, साथ-साथ यदि मन करे तो निवेश के लिए सर्वेक्षण करें, शायद आप घाटे का सौदा नहीं करेंगे, सभी को हाथ जोड़कर 'जय श्री कृष्णा' एवं आने वाले भविष्य की बहुत बहुत शुभकामनाएँ एवं बधाई।

सी.ए. आर.एल. काबरा
तकनीकी सलाहकार
उपाध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महासभा
ई मेल: -rlkabra@rkabra.net
मोबाइल: ९८२०१३१३४५

नवदीप जले नव फूल खिले, नित नई बहार मिले
दीपावली के पावन अवसर पर
आपको मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिले

शुभ दीपावली

Clear-Pack Containers

A-8, Mogappair West Industrial Estate,
2nd Street, Reddipalayan Road,
Chennai, Tamil Nadu, Bharat-600037
Email : clearpet@hotmail.com
Website: www.mpetcontainer.com

D. P. Mundhra
Mob: 9840555344

कर्मठ व राष्ट्रसेवी श्रद्धेय सीताराम जी के जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन

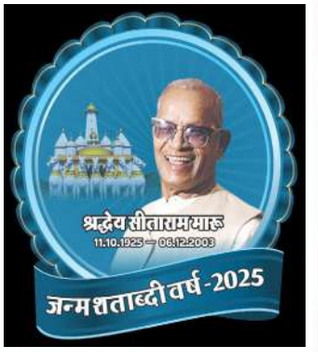

झारखंड: बिहार माहेश्वरी समाज के गौरव, श्रद्धेय एवम पूजनीय स्व. सीताराम जी मारू का जन्म शताब्दी समारोह दिनांक 11–12 अक्टूबर को राँची में मनाया गया, इस शुभ अवसर पर प्रदेश माहेश्वरी सभा ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया, और कहा कि इस युग के पुरुष कर्मयोगी के पदचिन्हों पर चलने का हम आह्वान करते हैं, उन्हें स्मरण करते हुए उनके व्यक्तित्व का गुणगान करना निश्चित रूप से सूर्य को दीपक दिखाने वाली बात है, प्रदेश की नवीन पीढ़ी के युवा सदस्यों को इस बहुआयामी, प्रतिभा संपन्न, कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व का परिचय देना हमारी जिम्मेदारी है, दायित्व है और हमारी सामाजिक बाध्यता भी, उनके पदचिन्हों का अनुकरण करना हमारी सामाजिक प्रतिबद्धता है और यही प्रदेशवासियों की सच्ची श्रद्धांजलि भी है।

गहन आस्था, दृढ़ निश्चय, लवरेज आत्म विश्वास, जुझारू लगन, सकारात्मक दृष्टिकोण व अन्य आदर्शों के साथ समाजों प्रगति पथ पर ले जाने की कला व जज्बा तो कोई यशस्वी सीता राम जी मारू से लिखे, पिताश्री स्व. चौथमल जी मारू के प्रांगण में 11 अक्टूबर 1925, राँची में जन्म हुआ। आप एक सच्चे स्वयं सेवक चितौड़गढ़, राजस्थान में आर. आर. एस., शाखा प्रभारी, रांची आर.आर. एस. प्रथम शाखा की स्थापना में योगदान, स्वतंत्रता सेनानी के रूप में अविस्मरणीय योगदान, माहेश्वरी व अन्य मारवाड़ी संस्थाओं के समर्पित व सक्रीय सदस्य एवं वरिष्ठ पदाधिकारी, नागरमल मोदी सेवा सदन की स्थापना व संचालन में संस्थापक सचिव, 'रांची एक्सप्रेस' साप्ताहिक समाचार पत्र एवं 'रांची एक्सप्रेस' दैनिक पत्र के संस्थापक, सुलझे राजनीतिज्ञ अटल बिहारी वाजपेई, भैरों सिंह शेखावत व अन्य वरिष्ठ नेताओं के चहेते, 'संस्कृति बिहार' को अग्रणी संस्था बनाने में मुख्य भूमिका रांची जिला स्थित बुंडू प्रखंड में रांची–टाटा हाइवे के समीप सूर्य मंदिर का निर्माण, चिन्मय मिशन को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका, ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर, कुष्ठ चिकित्सा और नेत्र चिकित्सा का लगातार सराहनीय कार्य, लायंस क्लब ऑफ रांची के अध्यक्ष पद पर रहते हुए हिंदी का प्रचलन, रांची मारवाड़ी कॉलेज एवं चाचा नेहरू विद्यापीठ के संस्थापक सदस्य, अन्य संस्थाओं में भी सक्रिय सहयोग, 1975 के पूर्वांचल माहेश्वरी सम्मेलन व युवा सम्मेलन के मुख्यवक्ता, 29–30 अगस्त 1992 को बिहार प्रादेशिक माहेश्वरी सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष, 7–8 अप्रैल 2001 को आयोजित प्रथम बिहार प्रदेश माहेश्वरी वैवाहिक परिचय सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष, कनिष्ठ पुत्र श्री अजय कुमार जी मारू झारखंड राज्य से सभा सांसद हैं।

आप निधन 6 दिसंबर 200 को हुआ।

समाज के मूर्धन्य कर्मयोगी, समर्पित समाज सेवक, गौरवशाली व्यक्तित्व स्मरणीय रहेंगे, पूजनीय रहेंगे और प्रेरणाश्रोत बने रहेंगे, झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा के सभी सदस्यों की ओर से मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

-महेश लाखोटिया, प्रदेश सचिव
झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा

दीपावली के पावन पर्व पर सभी भारतवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं

Ashok Chaudhary
Cell: 9820157580

Parth Chaudhary
Cell: 9137657707

GreenTech Packaging
Packaging grade kraft Paper Trader .
Corrugated box Rigid box
Mono - Cartons and Paper Bags Suppliers .

Tungareshwar Packaging Pvt. Ltd., Office Shop no. 6,
Gardenia Building Below Gold Gym Vasant Valley Complex,
Before Dindoshi Bus depot, Film City Rd,
Dindoshi, Malad East, Mumbai, Bharat- 400097

Email: ashokc11@yahoo.co.in
Email: tungareshwarpackaging@gmail.com

Office mobile 9920857580 | Landline... 022-40037695

श्री बुची सती दादी मन्दिर रिंगस राजस्थान का संक्षिप्त

कोलकाता: हर बार डरकर भाग जाते थे बदमाश सीकर के रींगस में बूची शक्ति मां का मंदिर है, जो अद्भुत और अनोखे इतिहास का गवाह है। गांव के लोगों का कहना है कि बूची शक्ति मां गांव को चोर-डाकुओं से बचाती थीं , तीन देवता आपस में बातें करते थे।

पुरानी मान्यताओं के अनुसार, रींगस (शेखावाटी) के ३ देवता आपस में बातें करते थे, जिनमें श्मशान के भैरो बाबा का मंदिर, बूची शक्ति मां का मंदिर और आमली वाले बालाजी का मंदिर मुख्य रूप से आते है। वरिष्ठ पत्रकार गोविंद शर्मा ने 'मेरा राजस्थान' को बताया की रींगस को शेखावाटी का तोरण द्वार माना जाता है, यहां की भूमि रणभूमि के लिए जानी जाती हैं। यहां शेखावाटी और जयपुर के शासकों के बीच अक्सर युद्ध होता था, इस युद्ध भूमि में ही रींगस के श्मशान वाले भैरों बाबा

का मंदिर था और यहां से ठीक १ किलोमीटर की दूरी पर बूची शक्ति मां का मंदिर है।

आपदा समय के पहले मां देती थीं संकेत!

उन्होंने बताया कि रींगस में जब भी कोई आपदा आती थी, तो मां बूची शक्ति आवाज देकर शहर वासियों और आसपास के ग्रामीणों सचेत कर देती थीं। पुरानी किंवदंती पर नजर डालें तो एक बार कुछ डाकुओं ने साजिश रचकर और भक्त का वेश धारण कर मां की मूर्ति से कान और नाक के कुंडल निकाल लिए थे। कहा जाता है कि उस दिन से मां के मंदिर से आवाजें आना बंद हो गईं, स्थानीय लोगों को आज भी इंतजार है कि जब भी कस्बे पर कोई आपदा आएगी, मां उन्हें अवश्य आवाज देगी।

मंदिर वैश्य समाज के मित्तल और गर्ग गोत्र की कुलदेवी मानी जाती हैं, और आज भी देशभर से मित्तल और गर्ग गोत्र के लोग माता की पूजा-अर्चना करने आते हैं। मित्तल गोत्र के व्यवसायी राम अवतार मित्तल बताते हैं कि सितंबर महीने में माता का मेला भरता है, जिसमें देशभर से मित्तल और गर्ग गोत्र के लोग इकट्ठा होते हैं।

विवाह सम्बन्ध बड़ी समस्या - राधेश्याम परवाल प्रसिद्ध विचारक

जयपुर: शिक्षित एवं पूर्ण वयस्क लड़के-लड़कियों का विवाह सम्बन्ध तय करते समय दहेज की समस्या उतनी बाधक नहीं बनती, जितनी कुछ अन्य बातें। हर युवक-युवती के मन में विवाह से पूर्व अपने जीवन साथी के सम्बन्ध में कुछ कल्पनाएं बन जाती है। कोई युवक चाहे वह स्वयं सुन्दर न हो तो भी सुन्दर एवं स्वस्थ लड़की चाहता है तो कुछ युवतियां भी अपने से सुन्दर स्वस्थ पति की कामना करती हैं। कुछ लड़कियां अच्छी सर्विस करने वाले पति की इच्छा रखती है तो कुछ व्यवसायी पति की, इसी प्रकार कुछ युवक भी सर्विस करने वाली पत्नी चाहते हैं।

अनेक परिवार वर एवं कन्या की जन्म पत्रिका मिलाए बिना सम्बन्ध नहीं करते, कुछ केवल नामों से ही गुण मिलान कर लेते हैं। आजकल शिक्षा, ऊँचाई, सुन्दरता, स्वास्थ्य, मोटाई, स्मार्टनेस, उम्र का अन्तर, परिवार की सम्पन्नता अथवा आर्थिक स्थिति के साथ-साथ, स्वभाव-विचार आदि अनेक बातें देखी जाती हैं। पहले कम उम्र में, कम शिक्षित कन्याओं का विवाह माँ-बाप अच्छा युवक एवं परिवार देख कर तय कर देते थे, अब न केवल लड़की वाले अपितु लड़के वाले भी सम्बन्ध करने हेतु बड़े परेशान रहते हैं, पर अभी भी लड़के के अभिभावक सर्वगुण सम्पन्न बहू के साथ-साथ अच्छा दहेज भी चाहते हैं, इस कारण भी अच्छे-अच्छे शिक्षित एवं सम्पन्न परिवारों के लड़कों का सम्बन्ध कई वर्षों तक नहीं हो पाता अथवा सुन्दर एवं शिक्षित अच्छी बहुएं नहीं मिल पाती।

कुछ युवक अनेक अच्छी-अच्छी पढ़ी-लिखी सुन्दर युवतियों को देखकर रिजेक्ट कर देते हैं, आजकल कन्याएं भी अपने विचारों एवं कल्पना के अनुरूप लड़का न हो तो स्पष्ट मना कर देती हैं, पर लड़की को अनेक बार दिखाने पर लड़की के परिवार वाले काफी खर्चा नाश्ते-पानी में कर देते है। बाहर आने-जाने में भी काफी खर्च हो जाता हैं, पर जो लड़के अनेक लड़कियों को देख चुके होते हैं, उनके एवं उनके अभिभावकों की भी इमेज खराब हो जाती है एवं लड़के की उम्र ज्यादा होने पर अच्छी लड़की ढूंढना उनके लिए समस्या बन जाती है।

जीवन साथी के चयन में एक दूसरे की पसंद, विचार एवं पारिवारिक स्तर को ध्यान में रखना चाहिए। कुछ लोग अपनी स्थिति से बहुत ऊँचे परिवार में कन्या की शादी करने में बरबाद हो जाते हैं तो कुछ लोग सम्पन्न परिवार की पुत्री को बहू बनाने के चक्कर में अपने घर का सुख-चैन समाप्त कर लेते हैं। लड़के-लड़की की परस्पर सहमति से ही सम्बन्ध करना चाहिए वह भी समान स्तर के परिवारों में, तभी दोनों का जीवन सुखमय हो सकता है।

अग्रबन्धु सेवा समिति द्वारा जरूरतमंदों को दीपावली पर्व पर मीठा उपहार वितरण

मुंबई: अग्रबन्धु सेवा समिति, मुम्बई द्वारा दीपावली पर्व के सुअवसर पर जरूरतमन्द एवं घरों पर जाकर कार्य करने वाले व्यक्तियों को खाद्य सामग्री किट का वितरण संस्था अध्यक्ष अमरीशचन्द्र अग्रवाल एवं ट्रस्टी लक्ष्मीनारायण अग्रवाल (मन्नू सेठ) की प्रेरणा से, मानद मंत्री उदेश अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष गोपालदास गोयल के निर्देशन तथा महिला मंत्री मधु राजेंद्र अग्रवाल के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

ट्रस्टी कानबिहारी अग्रवाल एवं संयुक्त कोषाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने 'मेरा राजस्थान' को बतलाया कि संस्था जनोपयोगी कार्यों की श्रृंखला में प्रतिवर्ष दीपावली उपहार के रूप में खाद्य सामिग्री के पैकेट, चादर, साड़ियों आदि का वितरण करता रहा है। इस वर्ष कार्यकारणी के निर्णयानुसार जरूरतमन्दों को खाद्य सामिग्री किट १००० पैकेट का वितरण किया गया, किट पाने वाले सभी व्यक्तियों के चेहरे पर खुशी झलक रही थी, आयोजन को सफल बनाने में उपाध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल, नरेश गुप्ता कर्मठ सदस्य राजेन्द्र अग्रवाल महिला समिती की संयुक्त मंत्री सविता अग्रवाल सदस्याओं में नीता जैन, सीमा अग्रवाल, जया गोयल ने वितरण में योगदान दिया। आयोजन के अंत में संयुक्त मंत्री बृजकिशोर अग्रवाल ने सभी उपस्थितों का आभार माना।

- कानबिहारी अग्रवाल (ट्रस्टी)
मो. ९८२००४०८८९

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाना चाहिए

शेखावटी की भव्य विरासत को बढाना ही एकमात्र उद्देश्य

राम प्रकाश बुबना अध्यक्ष नवलगढ़ नागरिक संघ

मुंबई: नवलगढ़ नागरिक संघ का दीपावली स्नेह सम्मेलन दुर्गादेवी सराफ हाल, मलाड पश्चिम में धूमधाम से संपन्न हुआ। राजस्थानी संस्कृति एवं शेखावाटी की भव्य विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य 'नवलगढ़ नागरिक संघ' हमेशा से करते आया है, यह मुंबई महानगर में नवलगढ़ वासियों की प्रतिनिधि संस्था है, इस अवसर पर एक सांस्कृतिक एवं 'एक शाम संगीत के नाम' रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में संस्था से जुड़े नए सदस्यों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। योगाचार्य श्रीमती शारदा बुबना ने अपने चिर परिचित अंदाज में कविता का पाठ किया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष रामप्रकाश बुबना का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया, सुनील जीवराजका, प्रमोद बगड़िया, दीनदयाल मुरारका, विनोद पोद्दार, शारदा बूबना, सुनील परशुरामपुरिया, कमल पोद्दार,विजय अग्रवाल, राजेंद्र तुलस्यान, दीनदयाल अग्रवाल एवं अन्य संस्था के ट्रस्टी एवं पदाधिकारी मौजूद थे, विदित हो कि नवलगढ़ नागरिक संघ बड़ी संख्या में बच्चों की स्कूल की फीस, स्कूलों के नवीनीकरण पर प्रतिवर्ष अपना योगदान देता है, संस्था नवलगढ़ में भी सामाजिक सेवा कार्यों से हमेशा जुड़ी रहती है। जय भारत!

एम. सी. केजरीवाल विद्यापीठ को 'स्कूल ऑफ द ईयर' का सम्मान प्राप्त

हावड़ा: एम. सी. केजरीवाल विद्यापीठ (एमसीकेवी), हावड़ा को एजुकेशनवर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग्स (ईडब्ल्यूआईएसआर) २०२५-२६ पुरस्कार समारोह में 'स्कूल ऑफ द ईयर' घोषित किया गया। एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग्स देश में स्कूल उत्कृष्टता के सबसे विश्वसनीय और व्यापक मूल्यांकनों में से एक है। नवीनतम रैंकिंग में एमसीकेवी में नंबर ३, पश्चिम बंगाल में नंबर १ स्थान प्राप्त किया है, हावड़ा में बॉयज़ डे स्कूल श्रेणी में सर्वोच्च राष्ट्रीय रैंकिंग है। 'स्कूल ऑफ द ईयर' सम्मान एमसीकेवी की असाधारण प्रगति, राष्ट्रीय रैंकिंग में निरंतर वृद्धि और प्रमुख मानकों पर उत्कृष्टता को मान्यता देता है। एमसीकेवी समूह के अध्यक्ष किशन कुमार केजरीवाल ने कहा कि यह सम्मान हमारे समग्र शिक्षकों के प्रति अटूट समर्पण और जिम्मेदारी, सर्वांगीण व्यक्तित्व वाले विद्यार्थियों के निर्माण में विश्वास का प्रतीक है।

सीकर नागरिक परिषद द्वारा दिवाली प्रीति सम्मेलन का आयोजन

कोलकाता: 'सीकर नागरिक परिषद' की तरफ से इस वर्ष दिवाली प्रीति सम्मेलन का आयोजन रविवार २६ अक्टूबर २०२५ की सुबह १० बजे आईसीसीआर में आयोजित किया गया, इस अवसर पर कोलकाता के मशहूर कलाकार राजेश सादानी द्वारा एक मनमोहक कार्यक्रम गीतमाला की याद में प्रस्तुति दी गई, पुरानी यादों को ताजा किया गया और कार्यक्रम सभी के लिए यादगार बन गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एमीरेट्स घनश्यामप्रसाद सोभासरीया, अध्यक्ष अरविंद बियानी, सचिव रविशंकर सिकरिया, संयोजिका सुनीता लोहिया, कनक सोमानी थे।

Saarathi

Rajiv Agarwal
Promoter & Co-Founder
Mob: 9892546462/ 9653652472

Saarathi Group of Companies

- Saarathi Realtors and Associates
- Baba Gurustar Realtors Pvt. Ltd.
- Saarathi Solutions
- Baba Gurustar Super Structures Pvt. Ltd.
- Saarathi Dwellwell LLP
- Saarathi Foundation

Associate Companies

- 4 SV Realty Infraworks LLP
- MAP Consultant
- Trident Public Affairs

Address: Hallmark Business Plaza, Suite 402 B, Bandra East, Mumbai - 400051.
Call Us: +91 98207 58827 | E-Mail: contact@saarathigroup.com
rajiv@saarathigroup.com/ www.saarthigroup.com

आशीर्वाद मिले बड़ों से, सहयोग मिले अपनों से, खुशियां मिले जग से
दौलत मिले ईश्वर से, यही प्रार्थना करते हैं हम दिल से शुभ दिपावली!

With Best Compliments

Shivkishan Mindaram
Damani Charitable Trust

903, Dalamal House, 206 JB Marg, Nariman Point,
Mumbai, Maharashtra, Bharat-400021
Ph: 022-22042514/ 22872539 Fax: 022-22853816

दीपावली के पावन पर्व पर सभी
भारतवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं

Sri Ram Gopal Mundhra Smt. Prakash Mundhra

Mundhra Lighting Centre

Service Education Harmony

"Mundhra Chambers", # 87, 22nd Main Road, Banashankari
2nd Stage, Bengaluru, Karnataka, Bharat-560070
E-mail : mundhralighting@gmail.com
Phone : 080-26713802, 93426-76653

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

भारत को 'BHARAT' ही बोलेंगे

जय भारत! जय-जय राजस्थान

Remove **INDIA** Name From The Constitution

रामविलास साबु

पूर्व उपाध्यक्ष अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन
सीकर निवासी-हैदराबाद प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9849373738

रामविलास जी 'दीपावली पर्व' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि दीपावली पर्व हमारी संस्कृति की एक धरोहर है, जिसे समस्त सनातनियों द्वारा बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है, दीपावली के दिन से व्यापारियों का नया वर्ष प्रारंभ होता है, दीपावली के दिन पिछले वर्ष का लेखा-जोखा किया जाता है और इस लेखा-जोखा में आने वाले वर्ष में क्या-क्या कार्य करना है, इसका भी हम विवरण रखते हैं, दीपावली का पर्व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है ही साथ ही सामाजिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। दीपावली के समय हैदराबाद में समस्त मारवाड़ी समाज द्वारा सामूहिक मिलन समारोह आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी लोग बड़े ही उत्साहपूर्ण रूप से सहभागी होते हैं।

आज की युवा पीढ़ी के लिए त्यौहार एक मनोरंजन मात्र रह गया है, उन में धार्मिकता के प्रति कोई भावना नहीं है, इसका कारण आधुनिक शिक्षा प्रणाली है, जिसमें बच्चों को हम अपने मातृभाषा या प्रांत भाषा में शिक्षा ना दिलवाकर अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दिलवाते हैं, जिसमें भारतीय संस्कृति, भारतीय विचारधारा से दूर-दूर तक कोई ताल्लुक नहीं रहता, जिसके कारण वह संस्कृति से जुड़ नहीं पाते, युवाओं को जोड़ना है, तो उन्हें अपने मातृभाषा और प्रांत भाषा से जोड़ना ज्यादा जरूरी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि नाम के साथ हमें भारतीयता के दायित्व का भी निर्माण करना चाहिए, जिससे हमारे 'भारत' का गौरव बढ़े।

९० वर्षीय रामविलास जी मूलतः राजस्थान स्थित 'सीकर' के निवासी हैं। आपका जन्म महाराष्ट्र में व शिक्षा विजयवाड़ा और हैदराबाद में संपन्न हुई है। मेडिसिन के प्रोफेसर रहे है, साथ ही आप कई सामाजिक संगठनों से भी जुड़े हुए हैं, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के दो कार्यकाल के उपाध्यक्ष रहे हैं, मारवाड़ी सम्मेलन आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष रहे हैं। माहेश्वरी महासभा से भी जुड़े हैं। जय भारत!

-मेरा राजस्थान

निर्मल कुमार लड्ढा

अध्यक्ष पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा
निंबी खुर्द (डीडवाना) निवासी-दालखोला प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9434055057

निर्मल जी 'दीपावली पर्व' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'दीपावली' सनातन समाज का सबसे बड़ा पर्व है, इसे सभी को उत्साह से मनाना चाहिए, इस अवसर पर लोगों में एक नया उत्साह देखने को मिलता है, नए कपड़े आते हैं, मिठाइयां बनती है, माता लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है, इस पर्व के माध्यम से वातावरण भी पूरी तरह से सकारात्मक हो जाता है। सनातन धर्म में जितने भी पर्व है, सबका अपना वैज्ञानिक और सामाजिक महत्व है। 'दीपावली पर्व' आपसी भाईचारे और सद्भाव का पर्व है, इस अवसर पर हम सभी से मिलते-जुलते हैं, एक दूसरे को राम-राम कहते हैं, बच्चे बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं, इसीलिए आज भी दीपावली का पर्व बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है।

आज की युवा पीढी में भी अपने धर्म और समाज के प्रति जागृति निर्माण हुई है और जब से मोदी सरकार आई है, तब से युवाओं में धर्म के प्रति काफी रुझान बढ़ा है, इसका सबसे बड़ा प्रत्यक्ष उदाहरण २०२५ का महाकुंभ जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी ली और एक नया इतिहास रचा। धार्मिक स्थान में भी युवाओं की संख्या सबसे अधिक दिखाई देती है। युवाओं में अपने धर्म और समाज के प्रति आस्था जगी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम, एक ही पहचान रहनी चाहिए 'भारत', इस राष्ट्रीय अभियान का पूर्ण समर्थन करता हूं।

निर्मल जी मूलतः राजस्थान डीडवाना तहसील में 'निंबी खुर्द' के निवासी हैं, आपका जन्म और प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान में संपन्न हुई है, तत्पश्चात उच्च शिक्षा कोलकाता जयपुरिया कॉलेज से ग्रहण की, १९८२ से आप व्यापार से जुड़े हैं और तब से ही पश्चिम बंगाल 'दलखोला' में बसे हैं और फूड ग्रेन के कारोबार से जुड़े हैं, माहेश्वरी सभा में आप २००१ में प्रदेश सचिव के रूप में भूमिका निभाई, तत्पश्चात महासभा कार्य समिति के सदस्य, तत्पश्चात माहेश्वरी सभा प्रदेश मंत्री के रूप में कार्यरत रहे, वर्तमान में पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष पद पर सक्रिय है, रामदेव भक्त मंडल से भी जुड़े हैं। आपकी चार पुत्रियां हैं और चारों ही अपने-अपने क्षेत्र में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। जय भारत!

-मेरा राजस्थान

रोहतास अग्रवाल

जिला अध्यक्ष मारवाड़ी सम्मेलन बक्सर
अलवर निवासी-बक्सर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9431027249

रोहतास जी 'दीपावली पर्व' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि दीपावली का महत्व सदियों से रहा है और आगे सदियों तक रहेगा, यह एक ऐसा पर्व है, जिसे संपूर्ण सनातन समाज के लोग मानते हैं, यह असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है, इस पर्व के माध्यम से हर एक व्यक्ति के जीवन में छोटी बड़ी खुशियां आ जाती हैं, संपूर्ण समाज द्वारा यह पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, पर आज महंगाई इतनी बढ़ गई है कि लोगों में पहले जैसा उत्सव उमंग कम होते दिखाई दे रहा है, पहले लोग हफ्ता १० दिन तक 'दीपावली' त्यौहार मनाते थे, पर आज एक दिन ही पूजा कर और पटाखे जलाकर त्यौहार मना लेते हैं।

आज की युवा पीढ़ी का अपने धर्म समाज के प्रति रुझान बढ़ रहा है उन्होंने भी धार्मिक विषयों पर जागृति निर्माण हो रही है। बस युवाओं को उचित मार्गदर्शन देने की आवश्यकता है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए, इंडिया तो अंग्रेजों का दिया नाम है, वह हमारी पहचान नहीं बन सकता, हमारी वास्तविक पहचान 'भारत' से है और 'भारत' नाम से ही रहनी चाहिए।

रोहतास जी मूलतः राजस्थान स्थित 'अलवर' के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा बिहार राज्य में स्थित 'बक्सर' में संपन्न हुई है, यहां आप आयरन स्टील के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं, वर्तमान में मारवाड़ी सम्मेलन बक्सर जिला के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। राणी सती दादी मंदिर से भी जुड़े हैं, अन्य कई संस्थानों में भी सक्रिय हैं। जय भारत!

-मेरा राजस्थान

राजकुमार मारु

अध्यक्ष झारखंड बिहार प्रादेशिक माहेश्वरी सभा
रेणवाल निवासी-रांची प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9334744030

राजकुमार जी 'दीपावली पर्व' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि दीपावली एक परंपरागत त्यौहार है, जो सदियों से मनाया जा रहा है, इसका अपना धार्मिक और सामाजिक महत्व है, आज के परिपेक्ष में इस त्यौहार की संपूर्ण समाज में बहुत बड़ा महत्व है, यदि हम अपनी परंपराओं और संस्कृति को नहीं निभाएंगे तो बच्चों को हम कैसे जोड़ पाएंगे। बच्चों को धार्मिक शिक्षा और संस्कृति परंपराओं से जोड़ने के लिए त्योहारों को मनाना बहुत जरूरी है, आज भी इस त्यौहार का सामाजिक महत्व बना हुआ है। आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और संस्कारों से तो जुड़ी है पर उनके लिए यह एक औपचारिकता मात्र रह गया है पहले जो उमंग और उत्साह लोगों में देखते बनता था, अब वह नहीं दिखाई देता।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम और एक ही पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!

राजकुमार जी मूलतः राजस्थान स्थित किशनगढ़ 'रेणवाल' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा झारखंड स्थित 'रांची' में संपन्न हुई है, यहां कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं, बिहार झारखंड प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष हैं, मारवाड़ी सम्मेलन से भी जुड़े हैं। जय भारत!

-मेरा राजस्थान

अनिल कुमार गर्ग

अध्यक्ष कल्याण अग्रवाल सभा
ग्वालियर निवासी-कल्याण प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9819391151

अनिल जी 'दीपावली' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि दीपावली एक ऐसा पर्व है, जो हर सनातनी बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाता है, जिससे पूरे वातावरण में खुशियों की लहर दौड़ती है। बनिया समाज के लिए भी यह त्यौहार बहुत महत्वपूर्ण है। अग्रवाल समाज द्वारा यह त्यौहार बड़े ही धूमधाम से बनाया जाता है, क्योंकि यह कुलदेवी माता लक्ष्मी के पूजन का दिवस है, इस दिन पूजा पाठ करने के पश्चात मिठाई या वितरण की जाती है, जिससे एक दूसरे के प्रति मिठास बढ़े और भाईचारे का वातावरण बना रहे।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से विमुख हो रही है, क्योंकि युवा पीढ़ी आधुनिक तकनीक में इतना व्यस्त है कि उन्हें और कुछ भी दिखाई नहीं देता।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!

अनिल जी मूलतः मध्यप्रदेश 'ग्वालियर' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, पिछले ४५ सालों से आप महाराष्ट्र के कल्याण में बसे हैं, आप रेलवे में कई पदों पर कार्यरत रहे। वर्तमान में सेवानिवृत्त हैं और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं, पिछले २० सालों से लगातार कल्याण अग्रवाल समाज के सचिव रहे, अब अध्यक्ष पद पर सक्रिय हैं। बुंदेलखंड संगठन, सद्भावना मंच डोंबिवली, अखिल भारतीय मानव समिति जैसी कई संस्थानों से जुड़े हैं। जय भारत!

-मेरा राजस्थान

तुलसी विवाह

तुलसी विवाह एक पूजोत्सव है जो तुलसी और विष्णु के विवाह का उत्सव है। कार्तिक शुक्ल एकादशी से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक मनाया जाने वाला यह त्यौहार है। कहा जाता है कि भाद्रपद माह एकादशी को भगवान विष्णु ने शंखासुर राक्षस को मारा था और विपुल परिश्रम करने के कारण उसी दिन सो गए थे। अत: इसे देवशयनी एकादशी कहते हैं और जब कार्तिक शुक्ल एकादशी को देवोत्थानी एकादशी कहते हैं। भाद्रपद एकादशी से लेकर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक कोई भी माँगलिक कार्य विवाह आदि नहीं हो सकते थे।

तुलसी का विवाह सम्पन्न हो जाने के बाद ही सभी माँगलिक कार्य होने की सम्भावना बनती है।

तुलसी एक पूजनीय वनस्पति है जिसका वृक्ष दो-तीन हाथ से ज्यादा लम्बा नहीं होता, यह दो प्रकार की होती है एक श्याम तुलसी, दूसरी तुलसी हरी पत्तीवाली, ब्रह्म वैवर्ण पुराण में तुलसी के नामाभिकरण का उल्लेख है कि नरा नायंश्च तांदू तुलनां दात्तुमक्षमा:
नैन नाम्ना च तुलसी तां वदन्ति पुराविद:
नर-नारी ने जिस वनस्पति को देखा, इसकी तुलना में ऐसी कोई भी वनस्पति नजर में नहीं आई इसलिए पुरातत्व वेत्ता ने उसे 'तुलसी' नाम दिया।

तुलसी की पौराणिक एवम्लोक कथात्मक उत्पत्ति की कथा कुछ ऐसी है : समुद्र मंथन के वक्त जो अमृत मिला उसके जमीन पर गिरने से तुलसी उत्पन्न हुई, जिसे ब्रह्मदेव ने विष्णु को अर्पण किया। हिन्दू धर्मानुसार धर्मध्वज नाम का एक राजा था उसकी पत्नी का नाम था माधवी, इस दम्पत्ति को एक कन्या रत्न की प्राप्ति हुई, जो सुन्दर थी, इसलिए लोग उस 'तुलसी' कहकर पुकारने लगे, इस कन्या ने बदरीवन में विष्णु की प्राप्ति के लिए आराधना की, तब ब्रह्मदेव प्रसन्न हुए और उस कन्या ने ब्रह्मदेव को कहा, ''पूर्वजन्म में, मैं तुलसी नाम की गोपी थी। मैं कृष्ण की अति प्रिय थी। एक दिन मुझे और श्रीकृष्ण को, राधा ने देख लिया। क्रोधावेश उन्होंने मुझे श्राप दिया कि 'तू मानव योनि में जन्म लेगी 'कृष्ण को इस श्राप से बहुत दु:ख हुआ, पर उन्होंने तुलसी से कहा, ''डरना नहीं, मानव जन्म में भी तू मुझे प्राप्त करेगी''

यह कथा तुलसी के मुख से सुनकर, ब्रह्मदेव बोले इसी जन्म में ही तुम्हें विष्णु की प्राप्ति होगी पर उसके पहले तुम्हें शंखचूड़ की पत्नी बनना होगा। वह दैत्य भी पूर्व जन्म में एक गोपी ही था पर राधा के शाप से दैत्य जन्म को प्राप्त हुआ। पूर्व जन्म में उसे तुमसे प्रेम था, उसे इस जन्म में सफल करना है, बाद में ब्रह्मदेव ने तुलसी को षोड्शाक्षरी राधिका मंत्र दिया और उसका जाप करने को कहा, तुलसी ने ठीक वैसा ही किया।

एक दिन शंखचूड़ मिलता है उसने गांधर्व विधि से तुलसी का पाणिग्रहण किया और संसार सुख को प्राप्त किया। दैत्य ने देव लोक को पराजित किया अत: सभी देव विष्णु के पास गए और कहा! उसकी पत्नी की पतिव्रता के कारण उस दैत्य का नाश नहीं होगा, जब तुलसी को पता चला कि आनेवाला वह व्यक्ति उसका पति शंखचूड़ नहीं है, तब तुलसी ने श्राप दिया कि अगले जन्म में तू पाषाण बनेगा। विष्णु ने कहा तुमने मेरे लिए तपस्या की थी, इसलिए शंखचूड़ बना, अब तुझे दिव्य रुप मिलेगा और लक्ष्मी की तरह मुझे प्रिय होगी।

तुलसी का विवाह करना एक पूजोत्सव है जिसे कन्यारत्न न हो, वे तुलसी विवाह करके कन्यादान का पुण्य प्राप्त कर सकते हैं, तुलसी विवाह करने वाले दम्पत्ति को, पवित्र स्नान करके तुलसी के पौधों के पास दीपक जलाकर, तुलसी एवम् शालिग्राम को पवित्र स्नान करवा कर, षोड्शोपचार से पूजाविधि सम्पन्न करनी चाहिए।

मंगलाचरण पढ़कर तुलसी की एक शाखा के शालिग्राम को छुएँ, इस तरह से तुलसी शालिग्राम का विवाह किया जाता है, बाद में आरती मंत्र पुष्पाँजलि कर, ब्राह्मण को भोजन एवम् दक्षिणा दी जाती है।

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्त्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।
शुभ दीपावली

Ramakant Khetan
Mob. 09823043201

Pokarmal Umashankar Khetan

Kirana Bazar, Akola, Maharashtra, Bharat- 444001
Ph : 0724-2430698/ 2458443
e-mail: rukhetan@gmail.com

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।
शुभ दीपावली

LAXMINIVAS SARDA
09848080511
14-6-31, Supar Fast Begum
Bazar-Hyderabad, Andhra Pradesh,
Bharat- 500012

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution
Vijayraj Jain (Bafna)
Mob: 92251 48620
Work at Taj Agro Industries LLP, Plot No 2,
Kapaleshwar Sankul, Po. Asangaon Shahapur, Dist. Thane,
Mumbai, Maharashtra, Bharat - 421601

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution
CA SUDHIR GOEL
9702040354/9821040354
A Wing, 1301,Vanamali cooperative housing society Ltd Waman
Tukaram Patil Marg,Opposite DMART & Shatabdi Hospital,
Chembur, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400071
Email: sudhirgoel1952@gmail.com

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

एक दिन विश्व के मानचित्र Globe में
INDIA की जगह BHARAT जरूर लिखा जाएगा।
जय भारत!

METAL INDIA CORPORATION
Importers Stockist, Indentors in :
Industrial Raw Materials, Ferrous, Non Ferrous Metals
& Stainless Steel in all Grades & Shapes
14/2, Mooker Nallamuthu Street, Chennai, Tamil Nadu, Bharat- 600 001
Mob: 9444005705, 9962005705, 044- 25222286
Email: metalindiacorporation@gmail.com

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

दीपावली के पावन पर्व पर सभी भारतवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
Nirmal Kumar ladda
President, Pashchim Bengal Pradeshik Maheshwari Sabha
7548089866
Near hdfc bank, Mithapur, Dalkhola,
Dist Utar Dinajpur, West Bengal, Bharat- 733201

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए अभियान में क्या आप सहयोग देना चाहते हैं तो संपर्क करें-9322307908
Follow for more updates
https://www.instagram.com/mainbharathun_?
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
https://www.instagram.com/mainbharathun_?

दीपावली पर स्वादिष्ट व्यंजन

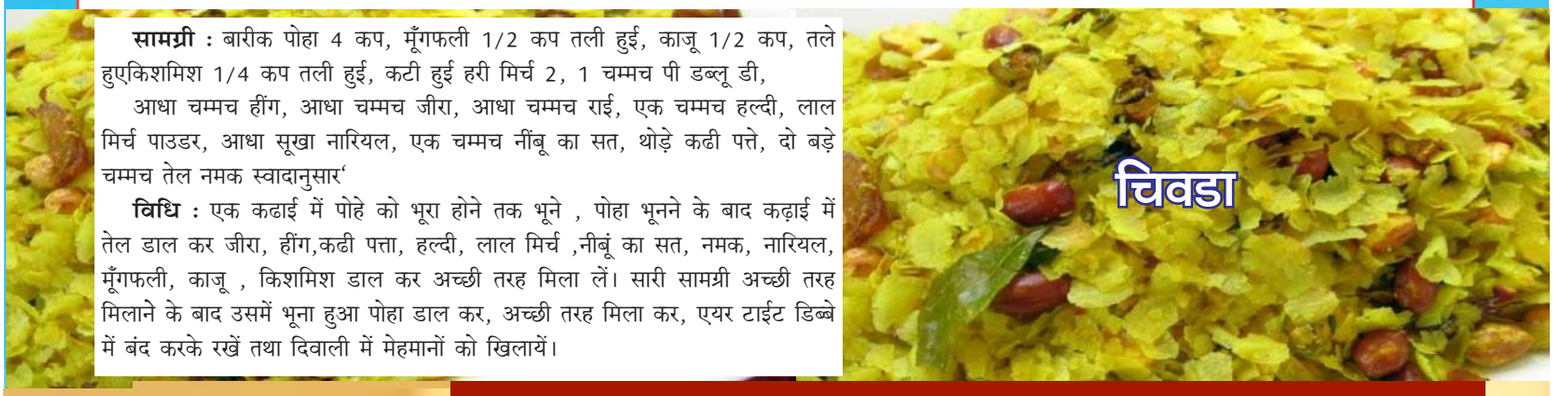

सामग्री : बारीक पोहा 4 कप, मूँगफली 1/2 कप तली हुई, काजू 1/2 कप, तले हुएकिशमिश 1/4 कप तली हुई, कटी हुई हरी मिर्च 2, 1 चम्मच पी डब्लू डी,

आधा चम्मच हींग, आधा चम्मच जीरा, आधा चम्मच राई, एक चम्मच हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, आधा सूखा नारियल, एक चम्मच नींबू का सत, थोड़े कढी पत्ते, दो बड़े चम्मच तेल नमक स्वादानुसार'

विधि : एक कढाई में पोहे को भूरा होने तक भूने , पोहा भूनने के बाद कढ़ाई में तेल डाल कर जीरा, हींग,कढी पत्ता, हल्दी, लाल मिर्च ,नीबूं का सत, नमक, नारियल, मूँगफली, काजू , किशमिश डाल कर अच्छी तरह मिला लें। सारी सामग्री अच्छी तरह मिलाने के बाद उसमें भूना हुआ पोहा डाल कर, अच्छी तरह मिला कर, एयर टाईट डिब्बे में बंद करके रखें तथा दिवाली में मेहमानों को खिलायें।

सामग्री : मूँगफली के दाने - 10 ग्राम (भुने हुए, छिले हुये), मैदा या गेहूँ का आटा - 200 ग्राम , चीनी - 100 ग्राम (पिसी हुई), घी या मक्खन - 100 ग्राम, दूध - 1 टेबल स्पून , काफी पाउडर - 1 छोटी चम्मच (यदि आप चाहें), बेकिंग सोडा - 1 छोटी चम्मच

विधि : मूँगफली के दानों को पीस कर, हल्का दरदरा पाउडर बना लीजिये। एक बर्तन में पिघला हुआ घी या मक्खन और चीनी को अच्छी तरह फैट कर मिला लीजिये। दूध में काफी पाउडर घोल कर, मक्खन और चीनी के मिश्रण में डालिये और फेंटिये। अब मिश्रण में मैदा, मूँगफली दानों का पाउडर और बेकिंग डालकर मिलाइये और मिश्रण को तब तक फेंटिये जब तक कि वह फूला हुआ न दिखाई देने लगे। यह तैयार मिश्रण गुथे हुये आटे जैसा होना चाहिये। बेकिंग ट्रे को घी लगाकर चिकना कीजिये, मिश्रण से थोड़ा-थोड़ा मिश्रण निकालिये, हाथ पर रखकर पेड़े जैसा आकार दीजिये और ट्रे में थोड़ी-थोड़ी जगह छोड़कर लगा दीजिये। ओवन को 200 डिग्री से.ग्रे. पर सैट कीजिये। कुकीज ट्रे ओवन के अन्दर रखिये। 15-20 मिनिट में कुकीज सिक कर तैयार हो जाती है। आपकी गरमा गरम मूँगफली कुकीज तैयार है। कूकीज को ठंडा होने दीजिये। कुरकुरी कुकीज बच्चों को दीजिये और आप भी खाइये। बचे हुये कुकीज एअर टाइट कन्टेनर में रख दीजिये। 1 महीने तक कभी भी निकालिये और खाइये।

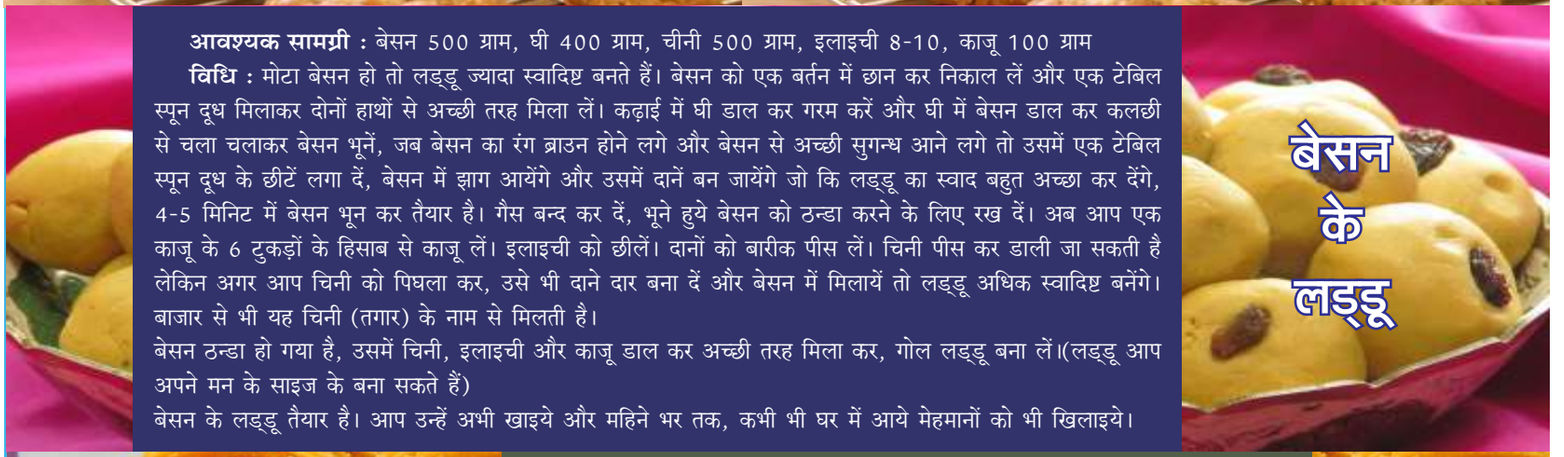

आवश्यक सामग्री : बेसन 500 ग्राम, घी 400 ग्राम, चीनी 500 ग्राम, इलाइची 8-10, काजू 100 ग्राम

विधि : मोटा बेसन हो तो लड्डू ज्यादा स्वादिष्ट बनते हैं। बेसन को एक बर्तन में छान कर निकाल लें और एक टेबिल स्पून दूध मिलाकर दोनों हाथों से अच्छी तरह मिला लें। कढ़ाई में घी डाल कर गरम करें और घी में बेसन डाल कर कलछी से चला चलाकर बेसन भूनें, जब बेसन का रंग ब्राउन होने लगे और बेसन से अच्छी सुगन्ध आने लगे तो उसमें एक टेबिल स्पून दूध के छीटें लगा दें, बेसन में झाग आयेंगे और उसमें दानें बन जायेंगे जो कि लड्डू का स्वाद बहुत अच्छा कर देंगे, 4-5 मिनिट में बेसन भून कर तैयार है। गैस बन्द कर दें, भूने हुये बेसन को ठन्डा करने के लिए रख दें। अब आप एक काजू के 6 टुकड़ों के हिसाब से काजू लें। इलाइची को छीलें। दानों को बारीक पीस लें। चिनी पीस कर डाली जा सकती है लेकिन अगर आप चिनी को पिघला कर, उसे भी दाने दार बना दें और बेसन में मिलायें तो लड्डू अधिक स्वादिष्ट बनेंगे। बाजार से भी यह चिनी (तगार) के नाम से मिलती है।

बेसन ठन्डा हो गया है, उसमें चिनी, इलाइची और काजू डाल कर अच्छी तरह मिला कर, गोल लड्डू बना लें।(लड्डू आप अपने मन के साइज के बना सकते हैं)

बेसन के लड्डू तैयार है। आप उन्हें अभी खाइये और महिने भर तक, कभी भी घर में आये मेहमानों को भी खिलाइये।

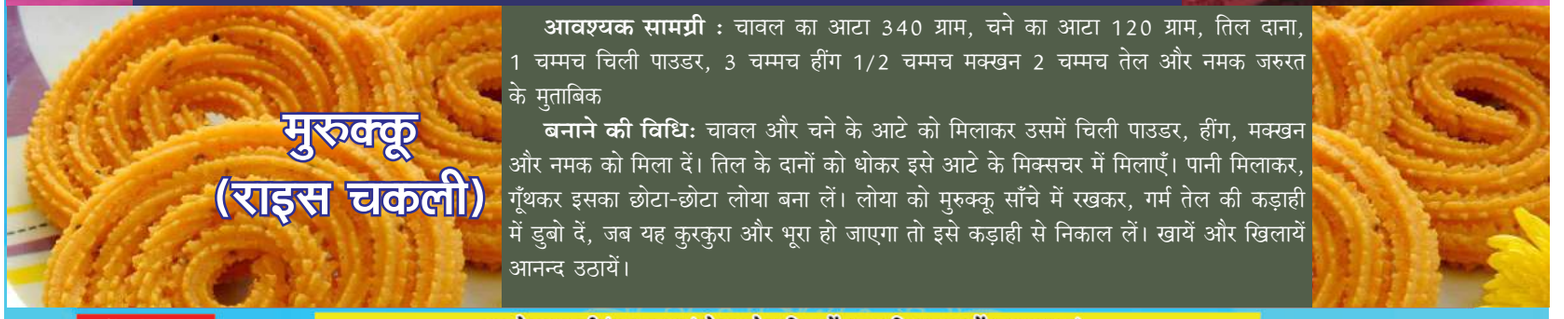

आवश्यक सामग्री : चावल का आटा 340 ग्राम, चने का आटा 120 ग्राम, तिल दाना, 1 चम्मच चिली पाउडर, 3 चम्मच हींग 1/2 चम्मच मक्खन 2 चम्मच तेल और नमक जरुरत के मुताबिक

बनाने की विधि: चावल और चने के आटे को मिलाकर उसमें चिली पाउडर, हींग, मक्खन और नमक को मिला दें। तिल के दानों को धोकर इसे आटे के मिक्सचर में मिलाएँ। पानी मिलाकर, गूँथकर इसका छोटा-छोटा लोया बना लें। लोया को मुरुक्कू साँचे में रखकर, गर्म तेल की कड़ाही में डुबो दें, जब यह कुरकुरा और भूरा हो जाएगा तो इसे कड़ाही से निकाल लें। खायें और खिलायें आनन्द उठायें।

वर्णन स्कंद पुराण के वैष्णव खंड के कार्तिक मास महात्म्य

वर्णन स्कंद पुराण के वैष्णव खंड के कार्तिक मास महात्म्य से किया जा रहा है।
ब्रह्मा जी कहते हैं मासो में कार्तिक, देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थ में बद्रिकाश्रम तीर्थ श्रेष्ठ है यह तीनों ही कलयुग में अत्यंत दुर्लभ है।
कार्तिक मास भगवान विष्णु को विशेष प्रिय है, कार्तिक मास में भगवान विष्णु के उद्देश्य से जो कुछ पुण्य किया जाता है, उसका नाश कभी नहीं होता है।
इस महीने में सभी देवता मनुष्य के निकट आ जाते हैं।
यह कार्तिक मास का संक्षिप्त महात्म्य है।
कार्तिक मास में क्या-क्या करना चाहिए।
कार्तिक मास में परान्न (दूसरे के घर खाना) का त्याग कर देना चाहिए।
कार्तिक मास में अन्नदान का विशेष महत्व है।
कार्तिक मास में प्रतिदिन निश्चित संख्या में भगवनंनाम का जप करना ही चाहिए।
कार्तिक मास में प्रतिदिन शिव मंदिर या विष्णु मंदिर दर्शन करना चाहिए।
कार्तिक मास में अधिक से अधिक तुलसी और आवले के वृक्ष का पूजन और रोपण करना चाहिए।
कार्तिक मास में भूमि पर शयन करने का भी बहुत महत्व है।
कार्तिक मास में कमल के द्वारा भगवान विष्णु की उपासना करनी चाहिए।
कार्तिक मास में भगवान विष्णु को तुलसीदल अवश्य चढ़ाने चाहिए।
कार्तिक मास में नित्य तीर्थ स्नान का नियम भी लिया जा सकता है।
नित्य प्रति भागवत महापुराण का अध्ययन करना चाहिए ।
नित्य प्रति कार्तिक मास में भगवत गीता का पाठ करना चाहिए।
कार्तिक मास में पलाश के पत्ते की पत्तल पर भोजन करने का भी बहुत महत्व है।
कार्तिक मास में दाल खाने का निषेध है।
कार्तिक मास में भाटा/बैगन खाने का निषेध है।
कार्तिक मास में आंवला और केले के फल का दान करना चाहिए।
कार्तिक मास में मंदिर मे दीपदान अनिवार्य रूप से करना चाहिए।
तुलसी व आंवले की परिक्रमा कार्तिक में करने का बहुत महात्म्य है। बिना कुछ नियम लिए कार्तिक व्यतीत नहीं करना चाहिए।
इसलिए ऊपर वर्णित १७ बातों में से किसी एक बात का नियम अवश्य लेना चाहिए और महीने भर उसका पालन करना चाहिए अधिक नियमों का पालन कर सके तो और अच्छा रहता है।

समस्त राजस्थानी समाज की एकमात्र पत्रिका
'मेरा राजस्थान' के सभी पाठकों को विश्वनाथ भरतिया परिवार की तरफ से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं!

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए अब तो इंडिया नहीं

श्री माहेश्वरी सभा द्वारा 'दीपोत्सव' एवं मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन

संतोष कुमार
आईपीएस, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (इकोनॉमिक ऑफेंस विंग), चेन्नई

चैन्नई: श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा आयोजित वार्षिक 'दीपोत्सव' दिवाली स्नेह मिलन का भव्य आयोजन रविवार, २ नवम्बर २०२५ को प्रातः ९:०० बजे स्थानीय डी. जी. वैष्णव कॉलेज, चेन्नई के सभागार में किया गया, इस अवसर पर सभा की ओर से तमिलनाडु, केरल और पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के स्तर पर मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया।

सभा अध्यक्ष गौरीशंकर राठी ने समस्त राजस्थानी परिवारों की घोषित एकमात्र पत्रिका 'मेरा राजस्थान' को जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री संतोष कुमार, आईपीएस, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (इकोनॉमिक ऑफेंस विंग), चेन्नई उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि यह सम्मान समारोह 'फलोर ब्रदर्स' चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले माहेश्वरी समाज के विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है।

कार्यक्रम के संयोजक श्री श्रीमोहन दमानी ने बताया कि इस वर्ष कुल ३० मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया, इसमें सीबीएसई की १० वीं कक्षा के ८ विद्यार्थी, एसएसएलसी बोर्ड के २, आईसीएसई बोर्ड के १, हायर सेकेंडरी के २, सीबीएसई की १२ वीं कक्षा के १०, चार्टर्ड अकाउंटेंसी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले ४ तथा डॉक्टर की उपाधि प्राप्त करने वाले ३ विद्यार्थियों का सम्मान किया गया, इसी दिन प्रातः ९:०० बजे से विद्यार्थियों के लिए 'नई दिशाएँ – कैरियर गाइडेंस' विषय पर एक विशेष सत्र का भी आयोजन किया गया, इस सत्र के मुख्य वक्ता श्री विक्रम पटेल (दिल्ली) रहे, जो विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य और करियर विकल्पों के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।

विक्रम पटेल, दिल्ली
मुख्य वक्ता

सभा के सचिव संजय मूंदड़ा ने बताया कि 'दीपोत्सव' कार्यक्रम के उपरांत श्री माहेश्वरी क्लब की ओर से एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई, जिसकी तैयारियाँ बड़े उत्साह एवं जोश के साथ की गई थी। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे।

-संजय मूंदड़ा
सचिव

सभी भारत वासियों को दीयों के पर्व दीपावली पर हार्दिक शुभकामनाए

Vinod Kumar Chordia
भ्रमणध्वनी - 9861505862

C. A Sourav Jain
भ्रमणध्वनी - 8249436811

Vikas Jain
भ्रमणध्वनी - 7008258079

Arihant Jain
भ्रमणध्वनी - 7008684902

C. S. GARMENTS
JHOLA SAHI CUTTACK, ODISHA, BHARAT - 753001
PH. 0671 -2230896
e-mail : csgarments17@gmail.com

C.R. Choradia Mob: 9437075083
S.K. Choradia Mob: 8895056402
Shashi: 9861533515
Vivek: 9861154511
Sharad: 9583581601

SAROJ HANDLOOM CENTRE
Jholasahi, Cuttack-753001 (Odisha)
Ph: 0671-2204090
Specialist in:
Jaipuri Bedsheet, Lungi, Gamucha, Towels & Handloom Goods

GULAB CHAND BHATERA
Consultant for Iron & Steel
TANISHK STEEL INDUSTRIES
Gold value at steel prices

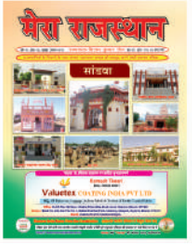

पधारो म्हारे देश
पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
मेरा राजस्थान
सम्पादक : बिजय कुमार जैन
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
राजस्थान का इतिहास
पहुँचाए आपके हाथ
मात्र रु. १००/- में, प्रति महिना
भारत का एक राज्य राजस्थान का
एक नगर
1 प्रति ₹ 100/-
सांडवा
1 प्रति ₹ 100/-
के इतिहास की प्रति मंगवाने के लिए
संपर्क करें:- 022-28509999
सम्पादक
बिजय कुमार जैन
उपसम्पादक
संतोष जैन 'विमल'
कार्यकारी सम्पादक
अनुपमा शर्मा (दाधीच)
पंजीकृत कार्यालय
बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९
दूरध्वनि: ०२२-४०१५ ८०९४ अणुडाक: mailgaylordgroup@gmail.com
विशेष छूट
विज्ञापन देने पर
पूरे साल
'मेरा राजस्थान'
पत्रिका मुफ्त
वार्षिक शुल्क १२००/-
आजीवन शुल्क ११,१११/-
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

RNI No. MAHHIN/ 2003/11570
Postal Registration No. MCN/113/2025-2027
WPP License No. MR/Tech/WPP-246/North/2025-27
License to post without prepayment'
Published on 28/10/2025 & Posting on 30th of every previous Month
at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059.

ADD Gel®
LEADERS IN WRITING TECHNOLOGY

24 SHADES

CALLIGRAPHY
GIFT OF CREATIVITY

Best Gift for Birthday

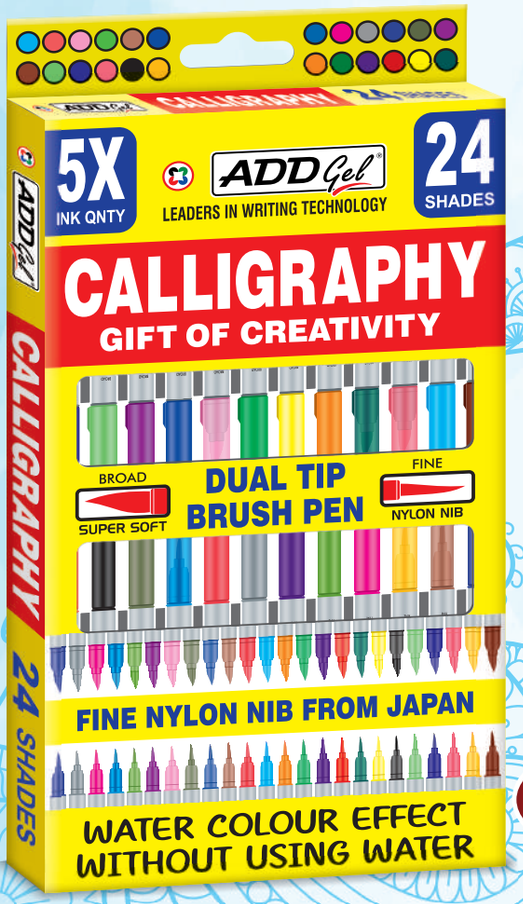

DUAL TIP BRUSH PEN

FINE NYLON NIB FROM JAPAN

BROAD
SUPER SOFT
FINE
NYLON NIB

MRP ₹450/- PER PACK

Make in India

www.shop.addpens.com

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400093 से मुद्रित करवाकर बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059 से प्रकाशित किया गया, टेलीफैक्स-022-4015 8094
अणुडाक - mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना - www.merarajasthan.co.in